श्रीमुख शांडिल्य गोत्र, सिरजम वंश का इतिहास

(1785 से अब तक)

डॉ. राजकिशोर तिवारी

आदि स्रोत 'डमरुआ', जौनपुर (उ. प्र.)

श्रीमुख शांडिल्य गोत्र, सिरजम वंश का इतिहास

(1785 से अब तक)

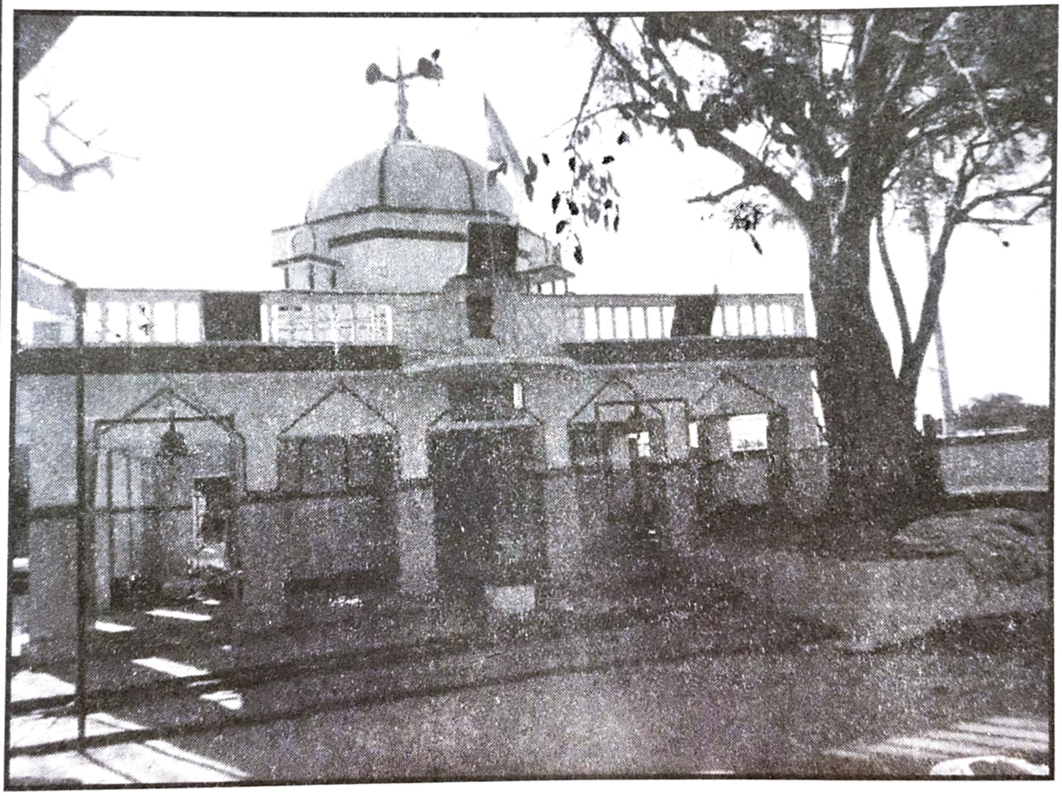

संकलन एवं संपादनकर्ता

डॉ. राजकिशोर तिवारी

पूर्व प्राचार्य,

अम्बाह पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज, अम्बाह (म. प्र.)

Mobile No. 9826627365

धन्यवाद ज्ञापन

कृतज्ञता अत्यंत सुखद एवं पुनीत कर्त्तव्य है। हम बन्धु द्वै श्री अजय कान्त शर्मा पुत्र डॉ. एस. एन. शर्मा, इन्द्रपुरी कालॉनी, आगरा, के हृदय से अनुग्रहीत हैं। उन्होंने प्रस्तुत अन्वेषण-संग्रह को प्रकाशित होने में प्रशंसनीय योगदान दिया है। हम उनकी अभिरुचि, धैर्य तथा मार्ग-दर्शन की सराहना करते हैं।

- मूल्य : Rs. 95/-
- प्रकाशक : डॉ. राजकिशोर तिवारी
  लैवेंडर G-09 मंगल आनन्दा
  साँगानेर जयपुर-302 029 (राज.)
  Mobile No. 9826627365
- शब्द संयोजन : माधव प्रकाशन, A-22, इन्द्रपुरी कॉलोनी, न्यू आगरा, आगरा।
- मुद्रक : सुरवन्दिता प्रिंटर्स, सिंगी गली, आगरा।

भूमिका

अपने पूर्वजों का इतिहास जानने की सभी को बड़ी जिज्ञासा रहती है। ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का कौतूहल बना रहता है। हमारा एक छोटा गाँव है, जिसमें एक कुल, वंश है, जिसे 'तिवारी' कहते हैं। गोत्र के अनुसार उसे श्रीमुख शांडिल्य कहते हैं, जिसे सिरजम वंश भी कहा जाता है। मुझे कुल का मूल, विकास और वर्तमान् स्थिति जानने की बड़ी अभिलाषा थी। लेकिन कठिनाइयाँ बड़ी थीं। सामग्री एकत्र करना, उसका स्रोत जानना, उसकी प्रामाणिकता सिद्ध करना, बड़ा कठिन था। किन्तु भावावेश में अंततः पर्याप्त सामग्री प्राप्त हो गयी। प्राचीन काल के अन्वेषकों से बड़ी प्रेरणा मिली। उन्हें धन्यवाद।

बचपन में एक पुस्तक पढ़ी थी ''फिजी में मेरे 21 साल'' स्व. पं. तोताराम शर्मा, मक्खनपुर, फिरोजाबाद (उ. प्र.)। ''घर की बात'' डॉ. राम विलाश शर्मा (आगरा), कुछ और भी पुस्तकें पढ़ी थीं जिनके नाम याद नह ीं। उन पुस्तकों में था कैसे बस्ती (उ.प्र) के स्व. सीताराम तिवारी मॉरीशस गये, कैसे उनके पुत्र स्व. शिवसागर राम गुलाम पौत्र नवीन राम गुलाम, दोनों ही मॉरीशस के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री बने। कैसे गुयाना, सुरीनाम, त्रिनीदाद, फिजी आदि में प्रवासी भारतीय राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बने। कैसे रजनीपाम दत्त के पुत्र आलोक पामदत्त स्वीडेन के प्रधानमंत्री बने। हमीरपुर (उ.प्र.) से गये परिवार के विद्याधर सूरजप्रसाद नाईपाल वेस्टइन्डीज में जन्मे तथा प्रसिद्ध लेखक हुए। नोबल पुरस्कार से सम्मानित हैं। प्रवासी भारीतयों की संख्या विदेशों में लाखों में है। जिन देशों की बातें मैंने ऊपर लिखी हैं, उन्हें भारत के अंग्रेज शासक 1916 तक लालच देकर बिना पढ़े लिखे लोगों को नौकरी का झाँसा देकर उन देशों में मजदूर बनाकर ले गये। वे गिरमिटिया मजदूर कहलाते थे। गन्ने के खेतों में काम करते थे। उनसे कड़ी मेहनत कराई जाती थी। उन लोगों को रामायण, महाभारत, किस्से, कहानियाँ कंठस्थ थे। साथ में बहुत-सी महिलायें एवं परिवार भी गये थे। गरीब थे, आने जाने का कोई साधन नहीं। वहीं के होकर रह गये। आपस में शादियाँ होने लगीं। कोई जाति-पाँति नहीं। उन देशों में प्रवासी भारतीय अब बहुसंख्यक हैं। उनके बच्चे बड़े हुये। पढ़ने, लिखने लगे। पर उन प्रवासी भारतीयों का कहीं भी कोई रिकार्ड नहीं था कि

वह किस गाँव या जिले के हैं। अब उनके पौत्र, प्रपौत्र आदि भारत आते हैं, अपने पूर्वजों का गाँव खोजते हैं, निराश लौटते हैं। कुछ लोग पढ़ना-लिखना जानते थे। अपने गाँव एवं खानदान का नाम लिख लिया था या याददाश्त के सहारे कई पीढ़ी तक चला। उनके वंशज उन गाँवों में आते हैं तथा परिवारों में आना-जाना है।

इसी बीच 1 जून 2015 को मेरे 83 वर्षीय बड़े भाई डॉ. राजपति तिवारी (पूर्व-प्राचार्य, राजा बलवंत सिंह कॉलेज, आगरा) ने मुझे एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अपने बचपन को याद किया था। मामाओं, मौसी, बुआओं, बहनों एवं गाँव वालों के बारे में पूछा था। उन्होंने लिखा-एकबार मैं गाँव देखना चाहता हूँ, पर मैं लाचार हूँ, जाने में असमर्थ हूँ। 500 किमी का सफर वास्तव में मुश्किल है। हम लोगों को भी गाँव से निकले 60 साल हो चुके हैं।

जब मैं 65 साल की उम्र में 1 जनवरी 2015 को म. प्र. के अम्बाह महाविद्यालय के प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुआ तो एक दिन अचानक मुझे ख्याल आया कि मेरे बाद मेरे पुत्र-पुत्रियों को पता भी नहीं होगा कि हमारे पूर्वज कौन थे और कहाँ के थे। साथ ही हमारे आदि पुरुष मनसा तिवारी को ग्राम डमरुआ, जौनपुर (उत्तर प्रदेश) में आये लगभग 200 साल हो चुके थे। इसी आकांक्षा को अक्ष्क्षुण रखने के लिये मैंने रेकॉर्ड एकत्र करना शुरू किया।

मैं Facebook पर था, साथ ही गाँव के शिवाजी तिवारी (पौत्र स्व. दूधनाथ तिवारी) जो हमारी नवीं पीढ़ी के हैं, 'डमरुआ, जौनपुर माँ ....' नाम से Facebook पर ग्रुप बनाया। 1980 से गाँव आना-जाना न के बराबर था। गाँव के बुजुर्ग नहीं रहे। मेरे बचपन वाले भी बूढ़े हो चले थे। उनमें से मेरे साथ के हृदयनारायण, आशाराम, देवनारायण, मोतीलाल, मेरे बड़े भाई राजधर तथा कई अन्य लोग स्वर्गवासी हो चुके थे। मैंने गाँव के 18 से 30 साल के युवकों से Facebook से सम्पर्क किया, जिन्हें न मैं जानता था न ही वे मुझे जानते थे। उन सबसे काफी जानकरी मिली।

दिनांक : 14-05-2018

डॉ. राजकिशोर तिवारी
लैवेंडर G-09 मंगल आनन्दा,
सॉंगानेर जयपुर-302 029 (राज.)
Mobile No. 9826627365

विषय-सूची

ग्राम डमरुआ की भौगोलिक स्थिति 1

मनसा तिवारी तथा श्रीमती उकठा देवी का वट–वृक्ष डमरुआ 4

1. रघुवर तिवारी का परिवार 5
2. मंगल तिवारी का परिवार 6
3. बेनी तिवारी का परिवार 6
4. जानकी तिवारी का परिवार 7
5. बचई तिवारी का परिवार 7
6. महावीर तिवारी का परिवार 8
7. महादेव तिवारी का परिवार 8
8. संता तिवारी का परिवार 8
9. जगन्नाथ तिवारी का परिवार 8
10. भीख तिवारी का परिवार 9
11. रामनिहोर तिवारी का परिवार 9
12. टिहुली तिवारी का परिवार 10
13. ईसई तिवारी का परिवार 10
14. बिन्देसरी तिवारी का परिवार 10
15. रामस्वरूप तिवारी का परिवार 10
16. राम सुमेर तिवारी का परिवार 11

17.	गयादीन तिवारी का परिवार	11
18.	दीप नरायन तिवारी का परिवार	11
19.	धौंताल तिवारी का परिवार	12
20.	चिखुरी तिवारी का परिवार	12
21.	द्वारिका तिवारी का परिवार	12
22.	चानिका तिवारी का परिवार	13
23.	धनरूप तिवारी का परिवार	14
24.	मातादीन उर्फ बाबा तिवारी का परिवार	15
25.	भोलानाथ तिवारी का परिवार	16
26.	हुब्बलाल तिवारी का परिवार	16
27.	गुदरी उर्फ रामप्रसाद तिवारी का परिवार	16
28.	बच्चा तिवारी का परिवार	16
29.	सच्चा तिवारी का परिवार	17
30.	राम निरंजन तिवारी का परिवार	17
31.	देवी प्रसाद तिवारी का परिवार	17
32.	रामदुलार तिवारी का परिवार	17
33.	माता बकस तिवारी का परिवार	17
34.	शिव कुमार तिवारी का परिवार	18
35.	परसन तिवारी का परिवार	18
36.	तिवारी परिवारों की योग्यतायें, व्यक्तियों तथा उनकी डिग्रियाँ	20
37.	मनसा तिवारी के वंश की बेटियाँ	23
38.	डमरुआ तिवरान की बहुयें	26

39. डमरुआ तिवरान के ग्राम-प्रधान 28

40. डमरुआ तिवरान के शिक्षक 28

41. डमरुआ तिवरान के पोस्ट-मास्टर 29

42. डमरुआ तिवरान के प्रिंसिपल, प्रोफेसर 29

43. मनसा तिवारी वंशावली की श्रृंखला 31

44. डॉ॰ राम आसरे सिंह वंशावली की श्रृंखला 55

❑❑

आमुख

अपने देश, समाज, परंपरा, परिवार के इतिहास का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। जो लोग इतिहास को भूल जाते हैं या उसकी अवहेलना करते हैं, वे शक्ति और प्रेरणा के स्रोत खो देते हैं। आदर्श एवं परम्परायें विकसित होती हैं और आत्मसात की जाती हैं। उनका विकास होता है, उनकी कलम नहीं लगती। मूल्यों के विकास में युग लग जाते हैं। उन्हें सजोने के लिये बड़ी सावधानी की आवश्यकता होती है।

हमारे पूर्वजों की परंपरा का एक इतिहास है। उसका पालन करना, अनुरक्षण करना हमारा परम कर्त्तव्य है। इस आदर्श से प्रेरित होकर मेरे अनुज डॉ. राज किशोर तिवारी, अवकाश प्राप्त प्राचार्य और जन्तुशास्त्र के प्रोफेसर, ने यह गुरुतर भार अपने कंधों पर उठाया है और उसे व्यवहारिक रूप दिया है। इसके लिये वह स्नेह-सिक्त धन्यवाद के पात्र हैं। मुझे ज्ञात नहीं था कि वह बहुत समय से तथ्य संचयन में संलग्न रहे हैं। 200 वर्षों (1785–2018) के विस्तृत समय में हुई घटनाओं, तथ्यों को एकत्र करना दुष्कर, कठिन कार्य है। मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि उन्होंने भगीरथ प्रयत्न किया है, तथ्यों को एकत्र करने और सजोने में। मैं ईमानदारी के साथ कहता हूँ कि यह कठिन कार्य मेरी क्षमता के बाहर है। एकत्र किये गये तथ्यों को देखकर मैं आश्चर्यचकित हूँ। एक तथ्य प्रेरणा का स्रोत अवश्य है : 'सिरजम वंश' की परम्परा का अनुपालन। बरगद के नन्हें बीज से विशाल वटवृक्ष के समान, कुल के लोग देश-प्रदेश के कोने-कोने में मौजूद हैं और यह परम्परा पुष्पित, पल्लवित हो रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी अपना अस्तित्व तथा संस्कृति अक्क्षुण रखेगी। 'मनसा' का पुनीत नाम शाश्वत बना रहेगा।

निवास :
B-31. निर्भय नगर,
आगरा—282 007 (उत्तर प्रदेश)

डॉ. राजपति तिवारी
पी-एच. डी., डी. लिट.
पूर्व प्राचार्य एवं अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग,
राजा बलवन्त सिंह कॉलेज,
आगरा (उ. प्र.)

ग्राम डमरुआ की भौगोलिक स्थिति

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सिकरारा ब्लॉक में एक गाँव है जिसका नाम डमरुआ (Damarua) है। यह तहसील मछली शहर से 5 km, समाधगंज से 2 km, गुलजारगंज से 3 km तथा जौनपुर से 23 km दूर है। यह 25.74 अक्षांश (Latitude) तथा 25.74 देशांतर (Longitude) पर स्थित है। इस गाँव के चारों तरफ कई गाँव हैं। दक्षिण की तरफ चक शिवराम गीर का चकमहीता तथा हरदुआँ गाँव है, पूर्व की तरफ चक शिवराम गीर का गड़ेरियान, जमुनीपुर, बरईपुर तथा बभनौली गाँव हैं। उत्तर की तरफ सैदपुर, चाँदपुर, लखापुर, भीलमपुर गाँव हैं। पश्चिम में इसमइला, सगरे, डंगरियाँव गाँव हैं। यह गाँव तीन तहसीलों जौनपुर, मछलीशहर तथा मंड़ियाहूँ की सीमा-रेखा पर है। गाँव डमरुआ जौनपुर तहसील में है। इसमें जातियों के आधार पर विभिन्न (पुरे) हैं—जैसे तिवारियों का तिवरान, बाजार में उपाध्याय, वैश्यवर्ग, केवटान, दुबान, भरसवाँ में कोइरी, धुमआँ में यादव, कोइरान में मौर्य, पड़ान में पान्डे, पड़ाने का अहिरान, लोहरान, ठकुरान, पवारे का पूरा नहर के पास का केवटान, मचकाही, दलितों के मुहल्ले सम्मिलित हैं।

ग्राम डमरुआ का नाम शंकर जी के मन्दिर डमरुनाथ के नाम पर है। शंकर जी का मंदिर बहुत पुराना है। सरकारी रेकॉर्ड के अनुसार यह मंदिर (शिवालय) 1750 ई. में मौजूद था, जिसके सामने काफी बड़ा तालाब है, जिसे शिवाला नाम से जाना जाता है। मन्दिर में शिवलिंग है। बगल में शीतलामाता का मंदिर है। 2012 में डमरुनाथ मंदिर का पुनरुद्धार हुआ था।

1775 में डमरुआ राजा बनारस राज्य का गाँव था। शिवाला के किनारे एक छावनी थी, जहाँ राजा के कारिंदे रहते थे। वे जनता से कर वसूला करते थे। यहीं पर राजा के सिपाही भी रहते थे। आजादी के बाद सन् 1952 में इस छावनी को गाँव के राम प्रताप तिवारी ने 500 रु. में खरीद लिया। इसे गिराकर तिवारी जी के परिवार के 4-5 मकान बन गये हैं।

1957 से 1982 तक इसमें डाकघर चलता था। रामप्रताप तिवारी प्रथम पोस्ट मास्टर थे। पोस्ट ऑफिसी का पिन कोड 222135 है।

1810 के आस-पास इस गाँव के मालिक भूमिहार परिवार के जमींदार ठा. राम आसरे सिंह थे। इस क्षेत्र में विन्ध्याचल की देवी (अष्ठ भुजा देवी), जो मिरजापुर जिले में चील्हघाट के पार गंगा नदी के किनारे स्थित हैं कि इस क्षेत्र में भारी मान्यता है। ठा. राम आसरे सिंह भी अपने परिवार के साथ देवी-दर्शन के लिए गये थे। जिस समय देवी-दर्शन के लिये ठाकुर साहब परिवार सहित नाव पर सवार होने जा रहे थे, वहीं एक पण्डित जी चंदन का लेप लगाये, साफा बाँधे बैठे थे। पण्डित जी ने आवाज देकर ठाकुर साहब को अपने पास बुला लिया और उन्हें नाव में बैठने से मना किया। ठाकुर साहब पण्डित जी के पास परिवार सहित बैठ गये। सावन का महीना था। गंगा जी पूरे उफान पर थीं। नाव जब बीच गंगा में पहुँची तो इन लोगों ने देखा कि नाव डूब रही है। सभी सकते में थे। ठा. साहब पण्डित जी के सम्मुख दण्डवत हो गये। उनका परिचय पूछा तथा उन्हें आदरपूर्वक अपने साथ डमरुआ गाँव ले आये। उस समय डमरुआ (डवरुवा) नाम से जाना जाता था। ठा. साहब ने उनसे डमरुआ गाँव में बसने की प्रार्थना की तथा 22 बीघा जमीन की पेशकश की।

ऊपर जिस पण्डित जी का जिक्र है, उनका नाम था मनसा तिवारी। मनसा तिवारी वर्तमान् देवरिया जिले के सिरजम गाँव के सरयूपारी, शान्डिल्य गोत्री ब्राह्मण थे। सिरजम गाँव तहसील बेतालपुर, जिला देवरिया, उत्तर प्रदेश में स्थित है। देवरिया जिला मुख्यालय से 13 किमी तथा तहसील बैतालपुर से 5 किमी दूर स्थित है। पोस्ट ऑफिस सिरजम 274202 है तथा मुख्य डाकघर गौरी बाजार है। इसी के पास चौरी-चौरा थाना भी है।

ऐसा मालूम पड़ता है कि मनसा तिवारी का परिवार काफी बड़ा था। खेती अधिक नहीं थी। तीन भाई थे। भाइयों का परिवार भी बड़ा था। मनसा अपने घर सिरजम गाँव गये तथा अपने माता-पिता तथा भाइयों से बात की। अंत में यही निर्णय हुआ कि वह डमरुआ गाँव चले जायँ।

मनसा तिवारी का जन्म 1785 के आस–पास का है। जिस समय वह डमरुआ आये, उस समय उनकी उम्र लगभग 35 साल थी। उस समय डमरुआ राजा बनारस उदित नारायण सिंह साहब बहादुर के राज्य का भाग था। ठा. राम आसरे सिंह राजा की तरफ से कर वसूलते थे। जिस समय मनसा तिवारी डमरुआ आये उनके साथ उनके तीन पुत्र क्रमशः 8, 6, 4 के साल के थे। मनसा तिवारी की पत्नी का नाम उकठा देवी था।

1960 में मैं करीब 10 साल का था। परिवार की बुजुर्ग महिलायें शादियों में पूर्वजों के नाम लेकर गीत गाया करती थीं। उसमें 'मनसा की उकठा देवी' का भी नाम आता था। बाकी पुरुषों का भी नाम लिया जाता था। 1959 में मेरी दादी जशोदा 80 साल तथा मेरी माता राजवन्ती की उम्र 55 साल की थीं। यह सब मैंने अपने पिता स्व. धनरूप तिवारी से सुना। 1960 से 1970 के बीच में जब मैं गर्मियों की छुट्टियों में आगरा से गाँव आता था, तो उनसे पूर्वजों के बारे में पूछा करता था। मैं उत्सुकता वश एक कॉपी में यह सब लिखता रहता था। वह कॉपी आज भी मेरे पास मौजूद है। वास्तव में 1970 के बाद मैं इस सम्बन्ध में बहुत कुछ भूल गया था। 2015 में जब मैं सेवा निवृत्त हुआ तो वह कॉपी एक बक्से में गुड़ी–मुड़ी हालत में मिली। मेरी पत्नी डॉ. मंजु तिवारी सामान उलट–पलट रहीं थीं। उन्होंने इस कॉपी को देखा और बताया कि यह कॉपी मेरे खानदान के बारे में है। मैंने उसे पढ़ा। स्मृति–पटल पर बचपन याद आ गया। मेरे गाँव के खानदान में आठवीं पीढ़ी के श्री विनोद तिवारी पुत्र हरिशंकर तिवारी (स्व. कालूराम तिवारी के पौत्र) काफी समय से आग्रह कर रहे थे, दादा जी कभी गाँव तो आइये। अब गाँव में सारी सुविधाऐं हैं। आपको कोई कष्ट नहीं होगा। मैं 18 अक्टूबर 2015 को ड्राइवर के साथ गाँव गया। विनोद के बच्चे, उनके भाई के बच्चे, उनकी पत्नी तथा उनकी भाभी ने मेरा जो स्वागत किया वह अवर्णनीय है। 10 दिन रहा। पुरानी कॉपी तथा पुराने लोग श्री लक्ष्मी नारायण तिवारी, जगन्नाथ तिवारी उर्फ 'नेता जी' श्री कड़ेदीन तिवारी से बहुत जानकारी मिली। 1962 में

गाँव में चकबंदी हुयी थी। 1966 की बात है घर में एक कोने में एक थैले में बहुत से कागजात भरे पड़े थे। उनमें से कुछ कागजातों को मैंने कॉपी में रख लिया था। जिससे गाँव का यह इतिहास लिखने में बड़ी सामग्री मिली। पुनः 22 फरवरी से 2 मार्च तक डमरुआ गया। काफी तथ्य एकत्रित किये।

डमरुआ में 1920 में प्राइमरी स्कूल की स्थापना हुई, परन्तु अपने तिवारियों में से कोई स्कूल नहीं गया। पूरा गाँव निरक्षर। स्कूल डमरुनाथ मन्दिर के पास ही था। सबसे पहले 1925 में स्व. बोड़ई पण्डित सभाकर तिवारी के दादा तथा गोपाल तिवारी चिन्तामनि तिवारी के दादा स्कूल गये थे। गोपाल तिवारी ने तो मिडिल पास किया और कुछ समय टीचर भी रहे। बोड़ई पण्डित ने चौथी के बाद स्कूल छोड़ दिया तथा तंत्र-विद्या के ज्ञानी हो गये। उसके दो तीन साल बाद रामप्रताप तिवारी दूधनाथ तिवारी, चन्नी तिवारी, हरिहर तिवारी स्कूल गये। केवल राम प्रताप तिवारी तथा हरिहर तिवारी ने मिडिल पास किया। राम प्रताप तिवारी 1957 से वर्षों गाँव के पोस्टमास्टर रहे। उसके बाद 1930 से 10-15 लोग स्कूल गये पर 2, 3, 4 कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया। सर्वप्रथम मेरे बड़े भाई राजपति तिवारी 1947 में मिडिल पास करके हाईस्कूल की कक्षा में पढ़ने गये। उसी साल उनके लिए हरकुलिस साइकिल खरीदी गई, जो गाँव के लिये अजूबा थी। ऐसा उस समय के लोग बताते हैं। कल्पना कीजिए 1815 से 1920 तक डमरुआ में कोई स्कूल नहीं था। पूरे 105 साल पूरा गाँव निरक्षर था। हमारे पूर्वज मनसा कुछ पढ़े थे पर उनके बच्चे और बाद की पीढ़ियाँ बिलकुल अनपढ़।

मनसा तिवारी तथा श्रीमती उकठा देवी का विशाल वट-वृक्ष डमरुआ तिउरान।

मनसा तिवारी अपनी पत्नी, तीन पुत्रों के साथ 1815 में डमरुआ गाँव आये थे। जहाँ आज मनसा बाबा का कुआँ है, उसी के पास उन्हें बसाया गया। उस

समय वह स्थान वीरान था। झाड़-झंखाड़ से घिरा हुआ था। वहीं से दक्षिण की तरफ सरजू नोनियाँ, हरिहर गीर, विश्वनाथ गीर के घर के पिछवाड़े से लेकर बाजार की तरफ कायस्थों, हरिजनों के पिछवाड़े से लेकर रामस्वरूप स्वर्णकार (अब फूँल चंद तिवारी का) के सामने से मत्तू गेडेरिया के सामने तक की सारी जमीन पुराना बगीचा, जहाँ 1990 तक एक इमली का पेड़ा था, गढ़इया के पास से पयाग केवट के पीछे तक जमीन मिली। कुछ जमीन इन्दर बाबा तथा धुमवाँ के पास, जहाँ पिल्ला का बगीचा था। यह जमीन मनसा के परिवार के लिए बहुत अधिक थी।

मनसा बाबा का जहाँ कुआँ है, उसके पास दो विशाल इमली के पेड़ थे। जिसे गाँव वालों ने 1964 और 1966 में कोयला बनाने वालों को बेच दिया। यह पेड़ इतने विशाल थे कि समाधगंज से दिखाई देते थे। मछली शहर की तरफ से आने वालों को दोनों पेड़ दो किमी. दूर से ही दिख जाते थे।

मनसा तिवारी के तीनों पुत्र बड़े होने लगे। उनके विवाह हुए। मनसा के बड़े पुत्र रघुवर तिवारी के चार पुत्र हुए, जिनके नाम मुसई, मंगल, भीख, टिहुली थे।

मनसा के दूसरे पुत्र धौताल के चार पुत्र एक पुत्री थी। चारों पुत्रों के नाम क्रमशः चिखुरी, गुदरी उर्फ रामप्रसाद, देवी प्रसाद, हनुमान तथा पुत्री का नाम माना देवी था।

मनसा के तीसरे पुत्र परसन थे। उनके पुत्र का नाम शीतल प्रसाद था।

1851 में मनसा तिवारी का निधन हो गया। 1852 में तीनों पुत्रों के नाम जमीन का नामांतरण हो गया। परिवार बढ़ने के कारण तीनों भाई अलग-अलग रहने लगे। मकानों की संख्या बढ़ने लगी।

(1) मनसा तिवारी के बड़े पुत्र रघुवर तिवारी का परिवार

मनसा तिवारी के सबसे बड़े पुत्र रघुवर थे, जिनके बड़े पुत्र मुसई थे। मुसई के एक पुत्र का नाम रखा गया देवी दयाल। एकलौता पुत्र होने कारण बड़े

लाड़-प्यार में पले। परिवार में सबसे बड़े होने के कारण 'बड़का' तिवारी कहलाने लगे। आज भी गाँव में इनका परिवार 'बड़का' तिवारी के नाम से जाना जाता है। देवी दयाल के दो पुत्र हुए, राम भरोसे, दुखली उर्फ दुखीराम। राम भरोस के पाँच पुत्र थे, राम अलम, रामनरेश, राम अधार, राम अवध उर्फ झुम्मन, रामराज उर्फ पिल्ला। प्रथम चार की संतानों के पुत्र-पुत्रियाँ, नाती-पोतों का परिवार है। पाँचवें पुत्र रामराज उर्फ पिल्ला विवाहित थे पर कोई संतान नहीं थी। किन्तु उनके द्वारा लगाया गया आमों का बाग पिल्ला का बाग कहलाता है। यह बाग धुमवाँ जाने वाले रास्ते पर डीहा तारा के पास है। बिना देख-रेख, आँधी-पानी के कारण बाग नष्ट हो गया। कुछ पेड़ अभी भी जीवित हैं। राम भरोस के दूसरे भाई दुखली उर्फ दुखीराम विवाहित थे। पत्नी का नाम कौशल्या था। बाल-विधवा थीं।

नोट : पूरे परिवार के नाम के लिए पीछे लगा चार्ट देखें।

(2) मंगल तिवारी का परिवार

रघुवर के दूसरे पुत्र मंगल थे। उनके पुत्र हुए, बेनी, जानकी, जुग्गू उर्फ जगन्नाथ, जैकरन।

(3) मंगल तिवारी के जेष्ठ पुत्र बेनी का परिवार

बेनी के चार पुत्र हुए। देवी शरन, सुब्बा, मतई, सतई।

देवी शरन के तीन पुत्र थे, सहदेव, कालीदीन, रामजतन। सहदेव के पुत्र सूर्यमनि और आशाराम थे।

इनके परिवार में पुत्र-पुत्रियाँ नाती-पोते हैं। दूसरे पुत्र कालीदीन अविवाहित थे। किन्तु उन पर सरस्वती की कृपा थी। आल्हा बहुत अच्छा गाते थे। तीसरे पुत्र रामजतन थे। इनकी मृत्यु युवावस्था में हो गई थी। पत्नी का नाम हुबराजी देवी था। इनके पुत्र दूधनाथ थे। दूधनाथ के चारों पुत्रों का परिवार नाती-पोतों से भरा-पूरा है।

बेनी के दूसरे पुत्र सुब्बा थे। उन्होंने गाँव के पूरब तरफ एक बाग लगाया जो सुब्बा का बाग कहलाता है। नहर के पास जहाँ नागपंचमी (पचइयाँ) पर कूद (कूड़ी) होती है। बड़े-बड़े इमली, महुआ, बरगद, आम के पेड़ थे। अब उजड़ गया है। सुब्बा के पुत्र थे सन्तलाल उर्फ बसन्तू उर्फ साधू। इनके पुत्र हैं शेष मणि और चन्द्रमणि।

बेनी के तीसरे पुत्र थे, मतई। मतई के दो पुत्र थे बबऊ, ऊदति। बबऊ के दो पुत्र थे, श्रीकान्त, झल्लर। श्रीकान्त की अल्पायु में ही मृत्यु हो गयी थी। विवाह हो चुका था। उनकी पत्नी पति के स्वर्गवास के बाद अपने भाइयों के पास रहती थीं। दूसरे पुत्र झल्लर थे। एक दुर्घटनों में कुएँ की सफाई करते समय ऊपर से सिर पर घिर्री गिरने से मृत्यु हो गई। इनके तीन पुत्र हैं, जिसमें छोटेलाल पोस्टमास्टर हैं। ऊदति के पुत्र त्रिभुवन हैं। त्रिभुवन के पुत्र-पुत्रियाँ हैं।

बेनी के चोथे पुत्र थे, सतई। इनके पुत्र गिरिजाशंकर उर्फ सेठ थे। सेठ के पुत्र हैं हरसूदीन। हरसूदीन के चार पुत्र हैं। नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार है।

(4) मंगल के दूसरे पुत्र जानकी तिवारी का परिवार

मंगल के दूसरे पुत्र जानकी थे। जानकी के पाँच पुत्र थे, बचई, महावीर उर्फ शायरी, महादेव, शिव प्रसाद उर्फ राना, सन्ता। सभी पाँच भाइयों की एक खासियत थी। सभी भाई बहुत लम्बे थे, 6 फीट के लगभग।

(5) बचई तिवारी का परिवार

बचई के चार पुत्र हुए, बद्री प्रसाद, पारस नाथ उर्फ परसू, तीर्थ नाथ उर्फ तिर्थू, राम बरन। पारस नाथ के पुत्र सभापति तथा राम इकबाल हैं। दोनों भाइयों का परिवार नाती-पोतों से भरा पूरा है।

तीर्थनाथ के तीन पुत्र हैं, रमाकान्त, रमापति, उमापति। तीनों भाइयों का परिवार है।

रामबरन के पुत्र हैं शम्भूनाथ उर्फ आशाराम। इन्हें अपने ननिहाल सुरयावाँ के पास मिश्री-गड़ौरा गाँव में नेवासा मिला है। वहीं रहते हैं।

(6) महावीर तिवारी का परिवार

महावीर उर्फ 'शायरी' काफी डील-डौल और लम्बे कद के थे। तीन शादियाँ हुईं। उनके पुत्र भभूती उर्फ विभूति नारायण थे। विभूति के पुत्र मारकन्डेय हैं। भरा-पूरा परिवार है।

(7) महादेव तिवारी का परिवार

जानकी के तीसरे पुत्र महादेव थे। इनकी दो पुत्रियाँ थीं, बल्ली, इशाऊ उर्फ इशराजी। पत्नी अंधी थीं। अन्हरा मावा या कुबरा मावा के नाम से जानी जाती थीं।

जानकी के चौथे पुत्र शिव प्रसाद उर्फ राना थे। बहुत ही सौम्य स्वभाव के थे। गाँव में कहीं से निमंत्रण आता था तो इन्हीं के नाम आता था। एक पुत्र राम समुझ थे, जिनकी युवावस्था में मृत्यु हो गयी। स्व. राम समुझ की पत्नी दुलारी भाभी ने 40 वर्ष तक विधवा का जीवन विताया।

(8) सन्ता तिवारी का परिवार

जानकी के सबसे छोटे पुत्र सन्ता थे। इनके एकपुत्र एवं पाँच पुत्रियाँ हैं। पुत्र का नाम कड़ेदीन है। पोस्टमास्टर से अवकाश प्राप्त हैं। एक पुत्र शीतलामणि। इनके नाती-पोते हैं।

(9) जगन्नाथ उर्फ जुग्गू तिवारी का परिवार

मंगल के तीसरे पुत्र थे जगन्नाथ जिनके इकलौते बेटे थे शिवमूरत। जमींदार के नाम से जाने जाते थे। इन्हें तीन पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। जिनके नाम सूर्यबली, बैजनाथ, सीताराम। सीताराम ग्राम प्रधान थे। तीनों भाइयों का परिवार नाती-पोतों सहित फल-फूल रहा है।

मंगल के चौथे पुत्र जैकरन थे। उनकी एक पुत्री थी आनन्दी बुआ। उनका विवाह धनियामऊ में हुआ था।

मंगल की एक पुत्री थी ताजी बुआ। इनकी शादी गोपालपुर में हुई थी। बाल-विधवा थीं। पूरा जीवन डमरुआ में भाइयों के परिवार के साथ बीता।

(10) भीख तिवारी का परिवार

रघुवर के तीसरे बेटे का नाम भीख था। भीख के पुत्र थे कालिका प्रसाद। कालिका प्रसाद के पुत्र हुए राम सुन्दर, राम निहोर, ठकुरी।

कालिका प्रसाद के साथ एक दुर्घटा घटी। मिर्जापुर से गन्ना की पिराई के लिए पत्थर के कोल्हू लुढ़का लाये जाते थे। जहाँ पुराना बगीचा है, चकमहीता के आगे, दीपूगंज, जहाँ मेला लगता है। कोल्हू के नीचे दबकर मृत्यु हो गयी थी।

रामसुन्दर के चार पुत्र हुए, नन्द किशोर, महानन्द उर्फ गुल्लू, राम अक्षैबर, जयश्री। यह चारों भाई भी अच्छी डील-डौल के थे। नन्दकिशोर के दो पुत्र, नन्हकू, रामचन्द। नन्हकू के पुत्र माताप्रसाद उर्फ बाबा सालिगराम, भूलन, राजेन्द्र हैं। रामचन्द्र के तीन पुत्रियाँ थीं।

रामसुन्दर के दूसरे पुत्र गुल्लू उर्फ महानन्द थे। उनके पुत्र मुखिया अविवाहित थे।

रामसुन्दर के चौथे पुत्र राम अछैबर थे। इनके चार पुत्र बंशीधर, राधेश्याम, रघुराज, रामभरत हैं। रघुराज तथा रामभरत मुम्बई में शिक्षक थे। खुशहाल परिवार परिजनों से पूर्ण है। रामसुन्दर के चौथे पुत्र जयश्री थे। वे अविवाहित थे। अपने भाई राम अक्षैबर के साथ रहते थे।

(11) राम निहोर तिवारी का परिवार

राम निहोर के दो पुत्र थे, राम गोपाल, और चन्द्रबली। रामगोपाल गाँव के पहले मिडिल पास शिक्षक थे। दो पुत्र, पूर्णमासी उर्फ पुन्नी, यदुवंश उर्फ डेबा

थे। दोनों भाई मुम्बई में शिक्षक थे। राम निहोर के दूसरे पुत्र चन्द्रबली उर्फ चन्नू थे। उनके पुत्र घनश्याम उर्फ बाबा हैं। बाबा के तीन पुत्र हैं।

भीख के तीसरे पुत्र ठकुरी थे। विवाहित थे। जियरामऊ में विवाह हुआ था। छोटी उम्र में ही मृत्यु हो गयी। पत्नी जीवन भर जियरामऊ में भाइयों के पास रहीं।

(12) टिहुली तिवारी का परिवार

रघुवर के चौथे पुत्र टिहुली थे। इनके दो पुत्र ईशरी एवं विन्देश्वरीथे।

(13) ईक्षरी तिवारी का परिवार

ईशरी के पुत्र थे रामनन्दन। रामनन्दन के दो पुत्र थे, अद्याप्रसाद और लुल्लू। अद्याप्रसाद की मनसा बाबा के कुएँ के पास वाले तालाब में मिट्टी खोदते समय मिट्टी में दब जाने से मृत्यु हो गयी थी। उनके पुत्र शोभानाथ उर्फ शोभई थे। शोभनाथ के पुत्र चन्द्रमणि उर्फ नेईधर हैं। परिवार भरा-पूरा है। रामनन्दन के दूसरे पुत्र लुल्लू की दो शादियाँ हुईं। पहली से हरिहर तिवारी, जिनकी पाँच पुत्रियाँ हैं। पत्नी का नाम था ललका। बेटियाँ दुर्गा, विद्यावती, विमला, मनतोरा और मनटूटा हैं। लुल्लू की दूसरी पत्नी से दो बेटियाँ थीं। एक का विवाह धनियाँमऊ से हुआ था।

(14) बिन्देसरी तिवारी का परिवार

टिहुली के दूसरे पुत्र थे बिन्देसरी। इनके चार पुत्र थे, रामस्वरूप, रामसुमेर, गयादीन, दीपनारायण।

(15) रामस्वरूप तिवारी का परिवार

रामस्वरूप के पुत्र सूर्यनाथ उर्फ बबऊ था। इनकी पत्नी का नाम दुलारी था। इनके चार पुत्र, रामदवर, रामलखन, कन्हैया लाल, रामप्यारे। बबऊ का परिवार बड़ा है। नाती-पोतों से भरपूर है। रामदवर के पुत्र बजरंगी एवं बजरंगी के पुत्र जयप्रकाश शिक्षक हैं। रामलखन की बेटी मक्की तिवारी M.A., Ph. D. हैं।

(16) रामसुमेर तिवारी का परिवार

बिन्देसरी के दूसरे पुत्र रामसुमेर थे। इनके चार पुत्र, बचऊ, कालूराम, विश्वनाथ उर्फ फक्कड़, चोन्हर उर्फ साधू। बचऊ के पुत्र थे रामकिशोर। काफी लम्बे थे। अलग से दिखते थे। उनके पुत्र कृपाशंकर उर्फ लंगड़ हैं। इनके नाती-पोतों का बड़ा परिवार है। रामसुमेर के दूसरे पुत्र कालूराम थे। बहुत मान-सम्मान था। बहुत अच्छे गायक थे। इनके तीन पुत्र हरिशंकर, विद्याधर, और रमाशंकर। तीनों भाइयों के पुत्र-पुत्रियों का बड़ा परिवार है। रामसुमेर के तीसरे पुत्र विश्वनाथ थे। इनके पुत्र जटाशंकर थे। जटाशंकर के चारों पुत्रों का परिवार धन-धान्य से पूर्ण है। रामसुमेर के चौथे पुत्र चोन्हर उर्फ साधू थे। अविवाहित थे।

(17) गयादीन तिवारी का परिवार

बिन्देसरी के तीसरे बेटे का नाम गयादीन था। गयादीन के पाँच पुत्र, बल्देव उर्फ बोड़ई पंडित, छविराम, राजाराम, जैराम, करनाम। बलदेव के पुत्र जनार्दन उर्फ मुकादम, रामशिरोमणि, रामसुरेश। सभी का भरा-पूरा परिवार है। रामसुरेश को मँगुरा गाँव में नेवासा मिला है। वहीं रहते हैं। छविराम और जैराम अविवाहित थे। राजाराम के पाँच पुत्रियाँ और पुत्र ब्रजभूषण थे। ब्रजभूषण उर्फ भुखई की दो शादियाँ हुईं। दोनों से पुत्र-पुत्रियाँ हैं। गयादीन के पाँचवें पुत्र करनाम थे। उनके पुत्र शेषमणि तथा जीतमणि हैं। शेषमणि मुम्बई में शिक्षक थे। अवकाश प्राप्त हैं।

(18) दीपनरायन तिवारी का परिवार

विन्देशरी के चौथे पुत्र दीपनारायण थे। उनके पुत्र यदुनाथ उर्फ लोदई, राम प्रताप, उदयराज उर्फ नन्हकू। यदुनाथ के पुत्र जगदीश उर्फ देल्हू थे। देल्हू के पुत्र श्याम नारायण और श्याम सुन्दर हैं। दोनों का ही भरा-पूरा परिवार है। दीपनारायण के दूसरे पुत्र राम प्रताप थे। जो गाँव के प्रथम पोस्ट मास्टर थे।

गुलाब चन्द एवं लाल चन्द दो पुत्र हैं। दोनों भाइयों के पुत्र-पुत्री हैं। दीपनारायण के तीसरे पुत्र उदय नारायण थे। अच्छे गायक थे। तीन पुत्र रमेश, प्रेम और मोहन। रमेश की अकाल मृत्यु हो गयी थी। दोनों भाइयों का भरा-पूरा परिवार है।

(19) मनसा तिवारी के दूसरे पुत्र धौंताल तिवारी (1810–1879) का परिवार

मनसा तिवारी के मँझले पुत्र धौंताल का जन्म 1810 में हुआ था। इनकी मृत्यु 1879 में हुई। इनके चार पुत्र, चिखुरी, गुदरी उर्फ रामप्रसाद, देवी प्रसाद, हनुमान प्रसाद तथा 'माना' नाम की पुत्री थी।

(20) चिखुरी तिवारी का परिवार

चिखुरी धौंताल के सबसे बड़े पुत्र थे। इनका जन्म 1830 में एवं मृत्यु 1908 में हुई। चिखुरी की मृत्यु के बाद खेतों का नामांतरण 1909 में इनके तीनों पुत्रों के नाम हो गये। चिखुरी के तीन पुत्र क्रमशः मथुरा प्रसाद, द्वारिका प्रसाद, चानिका प्रसाद और चार पुत्रियाँ, मूना, सुमेरा, रजुई, परताबी थीं। इन चारों के विवाह तिलहरा, चौखड़ा तथा लमहनी गाँव में हुए थे।

चिखुरी की चारों बेटियों के बाद तीन पुत्रों का जन्म हुआ।

मथुरा प्रसाद तिवारी

चिखुरी के बड़े पुत्र मथुरा प्रसाद थे। एक पुत्री थी। एक पागल सियार के काटने से उनकी मृत्यु हो गयी।

(21) द्वारिका प्रसाद तिवारी का परिवार

चिखुरी के द्वितीय पुत्र थे द्वारिका प्रसद। बउकऊ बाबा के नाम से जाने जाते थे। इनका विवाह वंशी से गाँव पिलखुना में हुआ था। इनके तीन पुत्र थे, गंगा प्रसाद, भैख प्रसाद उर्फ गुल्नू, सत्यनाराय उर्फ नुन्नू।

गंगा का विवाह गाँव ग्राम गौरा की धनपत्ती देवी से हुआ था। गंगा के तीन पुत्र जगन्नाथ, हरिशंकर तथा शेषदीन थे। दो पुत्रियाँ रमदेई एवं ईसर देई। जगन्नाथ

का विवाह सड़सड़ा गाँव में हुआ था। इनके पुत्र हृदय नारायण थे जो कि होम्योपेथिक डॉक्टर थे। एक दुर्घटना में इनकी मृत्यु हो गयी। इनके चार पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार है।

गंगा के दूसरे पुत्र हरिशंकर थे। इनका विवाह मिश्री गड़ौरा में हुआ था। पुत्र-पौत्रों का बड़ा परिवार है। गंगा के तीसरे पुत्र शेषदीन थे। एक दुर्घटना में जौनपुर स्टेशन पर इनकी मृत्यु हो गई। पुत्र-पौत्रों से युक्त परिवार है। गंगा की दोनों पुत्रियाँ रमदेई सुजानगंज एवं ईसरदेई का विवाह सकरा गाँव में हुआ था।

द्वारिका के दूसरे पुत्र भैरव प्रसाद उर्फ गुल्लू थे। इनके छः पुत्र हैं। जिनवें पाँचवें पुत्र कृपाशंकर की मृत्यु रेलवे लाइन क्रॉस करते समय हो गई। इनका विवाह रीवा में हुआ था। पत्नी ने पुर्नविवाह नहीं किया सभी के पुत्रों-पौत्रों से भरा-पूरा परिवार है।

द्वारिका के तीसरे पुत्र सत्यनारायण, उर्फ नुन्नू थे। इनके एक पुत्र रघुनाथ थे। रघुनाथ के पुत्र अशोक थे, जिनकी रायपुर (छत्तीसगढ़) में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गयी। अशोक की पत्नी एवं पुत्र विधिरक्षा अपने ननिहाल रीवा (म. प्र.) में हैं।

(22) चानिका प्रसाद तिवारी का परिवार

चिखुरी के सभी पुत्रों और पुत्रियों में चानिका सबसे छोटे थे। इनका जन्म 1875 में तथा मृत्यु 1946 में हुई थी। सोखा नाम से प्रसिद्ध थे। इनका परिवार आज भी सोखा परिवार के नाम से जाना जाता है। चानिका का विवाह बहरइची (सुरियावाँ) के भिखारीपुर के जशोदा शुक्ला से हुआ था। जशोदा मावा गोरे रंग की बहुत ही सुन्दर थीं। इनकी मृत्यु जून 1959 में हुई। चानिका और जशोदा से चार पुत्र क्रमशः धनरूप, मातादीन उर्फ बाबा, भोलानाथ, हुबलाल और पुत्रियाँ बबना और सुखना थीं जिनका विवाह मुगराबादशह पुर के गोरइयाडीह तथा सरौली के भुतहा गाँव में हुआ था।

(23) धनरूप तिवारी का परिवार

चानिका के सबसे बड़े पुत्र धनरूप थे। इनका जन्म 1905 तथा मृत्यु 1980 में हुई। गऊ सराय के गौरा गाँव में इनका विवाह राजवन्ती शुक्ला से हुआ। राजवन्ती के भाई महावीर, दशरथ और कंकड़ थे। बड़ी बहन सोनकली थी, जिनका विवाह पँवारा गाँव के जगन्नाथ दूबे से हुआ था।

धनरूप के पाँच पुत्र और तीन पुत्रियाँ हुईं, क्रमशः राजमणि, राजदेव, राज पति, राजधर, राज किशोर, पुत्रियाँ लालदेई, श्याम देई, गुलाब देई।

धनरूप के बड़े पुत्र राजमणि थे। वे दर्जा चार तक पढ़े थे। उनका विवाह अवरइला गाँव में हुबराजी देवी से हुआ। उनका पुत्र जगदीश उर्फ जंगल जमशेदपुर में रहता है। उनका अपना व्यवसाय है। दो पुत्र राहुल, रोहित तथा पौत्र रोहन हैं।

धनरूप के दूसरे पुत्र राजदेव थे। उन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिला। खेती–बारी में शामिल हो गये। उनका मन भी पढ़ने में नहीं लगता था। खुद अशिक्षित थे परन्तु अपने पुत्र–पुत्रियों को उच्च शिक्षा दिलाई। इनके दो विवाह हुए। प्रथम विवाह से रामजीत, और अशोक। रामजीत एम. एस–सी., पी–एच. डी. हैं। महारानी सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर (म. प्र.) में कृषि वैज्ञानिक हैं। पुत्र सौर्यन है।

राजदेव की दूसरी पत्नी से चार पुत्र हैं, सूर्य नारायण MCA हैं। मैट्रिक स्टीम में काम करते हैं। बंगलौर में रहते हैं। राम नारायण, श्याम नारायण CA हैं। बेटियाँ स्नातक हैं।

धनरूप के तीसरे पुत्र राजपति तिवारी हैं। डमरुआ गाँव में शिक्षा का अभाव था, परन्तु पिता और बड़े भाइयों ने पूरी मदद की। 1957 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में M.A. किया। उसी वर्ष बलवन्त राजपूत कॉलेज, आगरा में अंग्रेजी विभाग में प्रवक्ता नियुक्त हुए। 1963 में बिड़ला इंस्टिट्यूट, पिलानी में प्रवक्ता नियुक्त हुए। 1964 में, St. John's कॉलेज, आगरा में सीनियर प्रवक्ता नियुक्त हुए। 1973 में अपने पुराने कॉलेज (बलवन्त राजपूत कॉलेज)

अब राजा बलवन्त सिंह कॉलेज, में रीडर हेड नियुक्त हुए। 1985 में कॉलेज के प्राचार्य बने। 1994-95 में अवकाश ग्रहण किया। अंग्रेजी में M.A., Ph.D., D.Litt. हैं। इनके निर्देशन में 122 लोगों को Ph.D. की उपाधि मिली है। कई पुस्तकों के लेखक हैं। उनके दो पुत्र और एक पुत्री है। पुत्र डॉ. विनोद केन्द्रीय कृषि अनुसंसधान संस्थान, कर्नाल (हरियाणा) में कृषि वैज्ञानिक हैं। पुत्र मयंक M.B.A. हैं। मल्टी नेशनल कम्पनी में कार्यरत हैं। दूसरे पुत्र डॉ. सुशील एयर फोर्स स्कूल में उप-प्रधानाचार्य हैं। इसकी पत्नी प्रिंसिपल हैं, पुत्री होम्योपैथिक डॉक्टर है।

धनरूप के चौथे पुत्र राजधर थे। 1992 में नहर में डूबने से मृत्यु हो गई। अंजनी और शिवकुमार पुत्र हैं। कई पौत्र-पौत्री हैं।

धनरूप के सबसे छोटे पुत्र डॉ. राज किशोर हैं। उन्हें उनके बड़े भाई डॉ. राजपति, अपने साथ आगरा ले गये थे। वह M.Sc. (Zoology) Ph.D. हैं। अम्बाह कॉलेज अम्बाह म. प्र. में सहायक प्राध्यापक नियुक्त हुए। 1993 में प्रोफेसर एवं हेड नियुक्त हुए। 2005 में प्रिंसिपल नियुक्त हुए। 2015 में अवकाश प्राप्त हुए। उनकी पत्नी डॉ. मंजु तिवारी, अम्बाह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में अंग्रेजी की प्रोफेसर और हेड रहीं। 2016 में रिटायर हुईं। पुत्रियाँ डॉ. शिप्रा तिवारी M.Sc., Ph.D., डॉ. स्वरिमा M. Tech. Ph.D. हैं, नयन प्रिया M.B.A. हैं। तीनों ही सर्विस में हैं। पुत्र प्रतीक्षित उर्फ शेखर भारतीय सेना में कैप्टेन के पद पर है।

(24) मातादीन उर्फ बाबा तिवारी का परिवार

चानिका के दूसरे पुत्र बाबा थे। इनकी ससुराल गोपीपुर में थी। चार पुत्र अमरनाथ, अर्जुन, विजय शंकर, रमाशंकर और पाँच पुत्रियों के पिता थे। अमरनाथ के पौत्र सुरेश C.A. हैं, मुकेश फर्मा कम्पनी में हैं। रमाशंकर के पुत्र रत्नेश BDS, Dentist हैं। चारों भाइयों का पौत्र-पौत्रियों से भरा परिवार है।

(25) भोलानाथ तिवारी का परिवार

चानिका के तीसरे पुत्र भोलानाथ थे। बहुत निडर, साहसी थे। 23 साल की उम्र में 1942 में इनका निधन हो गया। इनके पुत्र लालमणि थे, जिनका निधन 2009 में हो गया। भोलानाथ के अल्पायु पुत्र लालमणि को उनकी माता ने पाला। माता की मृत्यु 1979 में हुई। लालमणि के चार पुत्र हैं। सभी जमशेदपुर में रहते हैं।

(26) हुबलाल तिवारी का परिवार

चानिका के चौथे पुत्र हुबलाल थे। इनकी ससुराल सड़सड़ा गाँव में थी। इनके दो पुत्र शीतला प्रसाद, रामप्यारे थे। दोनों भाइयों के पुत्र-पुत्रियाँ सभी जमशेदपुर में रहते हैं।

(27) धौताल तिवारी के पुत्र गुदरी उर्फ राम प्रसाद तिवारी का परिवार

गुदरी के द्वितीय पुत्र गुदरी उर्फ राम प्रसाद थे। गुदरी के चार पुत्र बच्चा, सच्चा, रामनिरंजन तथा सरजू थे।

(28) बच्चा तिवारी का परिवार

बच्चा के एकलौते पुत्र थे रामनाथ। इनके चार पुत्र ब्रहमदेव उर्फ कुबुल, ठाकुरदीन, देवतादीन, शम्भूदीन थे। कुबुल के चार पुत्र हैं। सभी के पुत्र-पुत्रियाँ हैं। बच्चे मुम्बई में रहते हैं। रामनाथ के द्वितीय पुत्र ठाकुरदीन हैं। इनके पुत्र लालजी हैं। लालजी के तीन पुत्र तथा पौत्र-पौत्रियाँ हैं। रामनाथ के तीसरे पुत्र देवतादीन थे। इनके पुत्र इन्द्रमणि, जीतमणि तथा गुलाब हैं। पौत्र-पौत्रियों से भरा-पूरा परिवार है।

रामनाथ के चौथे पुत्र शम्भूदीन थे, जिनकी 1956 में 15 साल की अवस्था में मृत्यु हो गई। विवाह हो चुका था। पत्नी ने आजन्म विधवा का जीवन बिताया। 2010 में इनकी मृत्यु हुई।

(29) सच्चा तिवारी का परिवार

गुदरी के द्वितीय पुत्र सच्चा थे। इनके तीन पुत्र रामचन्दर, शितलू तथा लक्ष्मण थे। रामचन्दर के पुत्र जगन्नाथ उर्फ धिनहू उर्फ नेताजी हैं। नेता जी के तीन पुत्र और पौत्र-पौत्रियों से युक्त है। सच्चा के दूसरे पुत्र लक्ष्मण थे। उनके पुत्र हृदय थे। हृदय अपनी ननिहाल प्रतापगढ़ जिले में अपनी माँ के साथ रहते थे। सच्चा के तीसरे पुत्र सितलू अविवाहित थे।

(30) रामनिरंजन तिवारी का परिवार

गुदरी के तीसरे पुत्र रामनिरंजन थे। राम निरंजन के पुत्र थे गौरीशंकर उर्फ चौधरी तथा गिरिजा शंकर उर्फ गाँधी। गौरीशंकर अविवाहित थे। गिरजाशंकर के दो विवाह हुए किन्तु कोई सन्तान नहीं।

गुदरी के चौथे पुत्र सरजू थे। अल्पायु में ही मृत्यु हो गयी। विवाहित थे। इनकी पत्नी का नाम अभिराजी था। बहुत ही सीधी एवं सरल थी। छुटकी अइया के नाम से जानी जाती थीं।

(31) देवी प्रसाद तिवारी का परिवार

धौंताल के तीसरे पुत्र थे देवी प्रसाद। देवी प्रसाद के पाँच पुत्र—राम दुलार, माता बकस, शिवकुमार, रामकुमार, मटरु थे।

(32) रामदुलार तिवारी का परिवार

रामदुलार के पुत्र छोटई थे। रामदुलार और छोटई पिता-पुत्र दोनों ही आल्हा गाने में प्रवीण थे। इनके तीन पुत्र त्रिलोकीनाथ, तिलकधारी, प्रभुनाथ थे। त्रिलोकीनाथ और प्रभुनाथ भी गाने-बजाने के शौकीन थे। तीनों भाइयों का नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार है।

(33) माता बकस तिवारी का परिवार

माता बकस देवी प्रसाद के दूसरे बेटे थे। इनका विवाह गोपीपुर में हुआ था। इनके इकलौते पुत्र केदारनाथ थे। केदारनाथ के पाँच पुत्र शोभनाथ, राजनाथ,

देवमणि, शिवमणि, शिवशंकर हैं। देवमणि जमशदेपुर से अवकाश प्राप्त शिक्षक हैं। सभी का नाती-पौतों से भरा परिवार है। राजनाथ के पुत्र वीरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नू M.Sc. Ph.D. हैं। मुम्बई में रहते हैं। शिवमणि के पुत्र अरविन्द की पत्नी प्रतिभा हैं। मशहूर लेखिका तथा सहेली पत्रिका की कार्यकारी सम्पादक हैं। मुम्बई में रहती हैं।

(34) शिवकुमार तिवारी का परिवार

देवी प्रसाद के तीसरे बेटे का नाम शिवकुमार था। इनकी पत्नी का नाम सीता था। सीता बाल-विधवा थी। सीता मावा चानिका प्रसाद की पत्नी जशोदा मावा की छोटी बहन थी। चानिका तथा जशोदा ने, सीता की अन्त तक उनकी देखभाल की। देवी प्रसाद के चौथे एवं पाँचवें पुत्र रामकुमार तथा मटरु थे। दोनों अविवाहित थे।

(35) परसन तिवारी का परिवार

मनसा तिवारी के तीसरे पुत्र परसन थे। इनके पुत्र थे, शीतल प्रसाद। शीतल प्रसाद की माँ का नाम था अँगना। बताया जाता है कि पिता-पुत्र की मिलाकर सात शादियाँ हुई थीं। शीतल प्रसाद के कोई संतान नहीं थी। पिता-पुत्र दोनों ही बहुत बलशाली थे। बताया जाता है कि गन्ना पेरने के कोल्हू में बहुत अधिक भारी, मोटी पेड़ की डाल लगाई जाती थी। जिसे जाट कहते थे। 10-15 लोग मिलकर उठाकर कोल्हू में डालते थे। ऐसा बताया जाता है कि पिता-पुत्र मिलकर उसे कोल्हू में चढ़ा देते थे।

यह है मनसा तिवारी के परिवार का संक्षिप्त इतिहास। अब वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ियाँ पढ़-लिख कर उच्च पदों पर पदस्थ हैं। इसे आगे बढ़ायें। पुराने लोग पढ़े लिखे नहीं थे। किस्से कहानियों के रूप में अपनी संतानों को बताते थे। मैंने भी इस जनश्रुति का लाभ उठाया तथा लिपिबद्ध किया।

इस संग्रह को तैयार करने में मुझे अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मैंने Facebook पर गाँव के लड़कों से सम्पर्क किया, जिनकी उम्र 18-30 वर्ष थी। उन्हें तो अपने पूर्वजों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। गाँव के पुराने बुजुर्ग जिनको जानकारी थी, वे अब इस दुनियाँ में नहीं हैं। मेरा भी 30-35 सालों से गाँव से ज्यादा सम्पर्क नहीं था, लेकिन पूज्य पिताजी स्व. धनरूप तिवारी से 1960 से 1970 के मध्य जो जानकारी लिख ली थी वह बड़े काम की निकली।

गाँव के बच्चों ने जिसमें विनोद तिवारी, श्रीधर तिवारी, शिवाजी तिवारी, आशीष तिवारी, सौरभ तिवारी, धीरज तिवारी, सुनील तिवारी, प्रदीप तिवारी, अंकित तिवारी, रोशन तिवारी, बंटी तिवारी आदि ने अमूल्य सहयोग दिया।

गाँव के तीन बुजुर्ग लक्ष्मीनारायण तिवारी, कड़ेदीन तिवारी तथा जगन्नाथ तिवारी उर्फ नेताजी को बहुत-सी पुरानी बातें याद थीं। मैं उपर्युक्त सभी के प्रति आभारी हूँ।

अन्त में मुझे उत्साहित करने वाले, इस योग्य बनाने वाले, भाषा की काँट-छाँट करने वाले मेरे प्रिय बड़े भाई डॉ. राजपति तिवारी को सादर नमन करता हूँ।

गाँव की नयी पीढ़ी से अनुरोध है कि जब यह संग्रह मिले तो अपने परिवार की उपलब्धियों को एक डायरी में नोट करते रहें जिससे भविष्य में एक-एक परिवार की अलग-अलग कहानी जानी जा सके। इस संग्रह को और अधिक जानकारी प्राप्त होने पर वृहद रूप प्रदान करने की योजना है।

सभी सह-कुल लोगों से निवेदन है कि परिवारों के बारे में जानकारी प्रदान करने का प्रयत्न करें और इस संग्रह को विस्तृत और प्रभावशाली बनाने में योगदान दें। अपने पूर्वजों के प्रति यह कार्य हमारी श्रद्धा तथा कृतज्ञता का प्रतीक होगा।

सभी को शुभकामना।

डॉ. राज किशोर तिवारी
संकलनकर्त्ता एवं संपादक

(36) तिवारी परिवारों की योग्यतायें, व्यक्तियों तथा उनकी डिग्रियाँ

1. Dr. Raj Pati Tiwari S/o Late Dhan Roop Tiwari; M.A. (English); Ph.D.; D.Litt. (English).
2. Dr. Raj Kishore Tiwari S/o Late Dhan Roop Tiwari, M.Sc. (Zology) Ph.D.
3. Dr. Manju Tiwari W/o Dr. Raj Kishore Tiwari; M.A. (English), Ph.D. (English)
4. Dr. Vinod Tiwari S/o Dr. Raj Pati Tiwari; M.Sc. (Botany), Ph.D.
5. Dr. Ramjeet Tiwari S/o Late Raj Deo Tiwari, M.Sc. (Soil Science) Ph.D.
6. Dr. Sharad Tiwari W/o Dr. Vinod Tiwari s/o Dr. Rajpati Tiwari M.A. (English), Ph.D. (English).
7. Dr. Shipra Tiwari D/o Dr. Raj Kishore Tiwari, M.Sc. (Chemistry), Ph.D.
8. Dr. Sushil Tiwari S/o Dr. Raj Pati Tiwari, M.A. (English), Ph.D. (English).
9. Dr. Smita Tiwari D/o Dr. Raj Pati Tiwari M.A. (English), M.A. (Hindi); Ph.D.
10. Dr. Virendra Kumar Tiwari S/o Shri Raj Nath Tiwari, M.Sc. (Agri. Extension), Ph.D.
11. Dr. Swarima Tiwari D/o Dr. Raj Kishore Tiwari; M.Tech.; Ph.D.
12. Dr. Makki Tiwari D/o Shri Ram Lakhan Tiwari alias (urf) Kokil Tiwari, M.A. (Pol. Science); Ph.D.

NET (UGC)

Saurabh Tiwari S/o Shri Ram Asare Tiwari
urf. Pappu Tiwari

Polytechnic/BE/B.Tech/M.Tech.

1. Atul Tiwari S/o Shri Vinod Tiwari S/o Shri Harshu Din Tiwari-B.Tech.
2. Banty Tiwari urf. Vipin Tiwari S/o Shri Vijay Shankar Tiwari S/o Shri Ram Akbal Tiwari (Polytechnic).
3. Neelesh Tiwari S/o Shri Jeetmani Tiwari (Polytechnic).
4. Pratikishit Raj Tiwari S/o Dr. Raj Kishore Tiwari, B.E.
5. Dr. Swarima Tiwari D/o Dr. Raj Kishore Tiwari, B.E., M.Tech., Ph.D.

M.B.A./P.G.D.B.M.

1. Mayank Tiwari S/o Dr. Vinod Tiwari S/o Dr. Raj Pati Tiwari PGDBM (IT); MBA (HR).
2. Deepak Tiwari S/o Late Jharihag Tiwari S/o Late Jata Shankar Tiwari M.B.A.
3. Nayan Priya Tiwari D/o Dr. Raj Kishore Tiwari, M.B.A. (Media and HR).
4. Preeti Tiwati D/o Shri Ram Asare urf. Bhuttu S/o Late Channi Prasad, M.B.A.
5. Rahul Tiwari S/o Shri Ram Janam Tiwari urf. Rengai S/o Late Kubul Tiwari, M.B.A. (Marketing).
6. Satish Tiwari S/o Late Ramashankar Tiwari S/o Late Kalu Ram Tiwari, M.B.A.
7. Sandeep Tiwari S/o Sabhkar Tiwari, M.B.A.
8. Kamlesh Tiwari S/o Shri Ram Shankar Tiwari S/o Late Matadeen urf. Baba Tiwari, M.B.A.

Chartered Accountants (CA)

1. Anurag Tiwari S/o Shri Ram Neti Tiwari.
2. Ram Narayam Tiwari S/o Late Raj Deo Tiwari S/o Late Dhan Roop Tiwari.
3. Shyam Narayan Tiwari Late Raj Deo Tiwari S/o Late Dhan Roop Tiwari.
4. Suresh Tiwari S/o Shri Ram Pravesh Tiwari S/o Late Amar Nath Tiwari.

B.D.S. (Dental Surgeon)

Dr. Ratnesh Tiwari S/o Shri Rama Shankar Tiwari S/o Late Matadeen urf Baba Tiwari.

B.A.M.S.

Dr. Sushil Tiwari S/o Late Hriday Narayan Tiwari S/o Late Jagnnath Tiwari.

B.H.M.S.

1. Dr. Mallika Tiwari D/o Dr. Sushil Tiwari S/o Dr. Raj Pati Tiwari.
2. Dr. Preeti Tiwari D/o Shri Kanhiya Lal Tiwari.

B.Pharma

Ajeet Tiwari S/o Ram Aasarie urf Bhuttu S/o Late Channi Tiwari.

D.Pharma

Mukesh Tiwari S/o Ram Pravesh Tiwari.

M.C.A.

1. Ashish Tiwari S/o Shri Indra Mani urf Babai Tiwari S/o Shri Kripa Shankar Tiwari.
2. Nagendra Tiwari S/o Shri Sheshmani Tiwari S/o Late Karnam Tiwari.
3. Surya Narayan Tiwari S/o Late Raj Deo Tiwari S/o Late Dhanroop Tiwari.
4. Priti Tiwari W/o Shri Nagendra Tiwari S/o Shri Sheshmani Tiwari.

D.M.L.T.

1. Smt. Pooja Tiwari W/o Shri Mukesh Tiwari S/o Shri Ram Pravesh Tiwari.
2. Vijay Tiwari S/o Late Hari Shankar Tiwari S/o Late Ganga Prasad Tiwari.

L.L.B.

1. Atul Tiwari S/o Sabhakar Tiwari.
2. Ashish Tiwari S/o Shri Jharkhand Tiwari.
3. Achhelal Tiwari S/o Shri Satya Narayan Tiwari.
4. Dinesh Tiwari S/o Shri Raj Nath Tiwari.
5. Jai Shankar Tiwari S/o Shri Shesh Mani Tiwari.
6. Krishan Murari Tiwari S/o Shri Rajendra Tiwari S/o Late Nanhkoo Tiwari.
7. Rahul Tiwari S/o Shri Rajendra Tiwari S/o Late Nanhkoo Tiwari.
8. Ravindra Tiwari S/o Shri Mata Prasad Tiwari S/o Nanhkoo Tiwari.
9. Sabhakar Tiwari S/o Late Janardan Tiwari.
10. Suchit Tiwari S/o Shri Markandey Tiwari S/o Late Vibuti Tiwari.
11. Santosh Tiwari S/o Late Dev Narayen Tiwari S/o Late Suryabali Tiwari.
12. Sushil Tiwari S/o Shri Vijay Tiwari S/o Shri Bateswar Nath Tiwari.
13. Shri Virendra Tiwari S/o Shri Ram Neti Tiwari.

(37) मनसा तिवारी के वंश की बेटियाँ

तिवारी वंश के बेटे तो शिक्षित होने लगे। अच्छे-अच्छे पदों पर हैं। उनके पास सभी प्रकार की Degrees हैं। किन्तु बेटियों के लिए शिक्षा का द्वार नहीं खुला। 9, 11 साल में शादियाँ हो जाती थीं। सर्वप्रथम 1972 से 1980 के मध्य तीन बेटियाँ स्कूल गयीं। बहुत आलोचा हुई। तीनों ने ही पाँचवीं कक्षा पास कर ली। वह तीनों बेटियाँ थी—मिथिला पुत्री, स्व. हरिवंश उर्फ पुटकी तिवारी, अनार कली पुत्री राम चन्दर तिवारी तथा रमला पुत्री हरिशंकर (पुत्र स्व. कालूराम) तिवारी। तीनों का विवाह हुआ। इत्तिफाक से तीनों के साथ एक घटना घट

गई। प्रथम दो की आग में जलने से निधन हो गया। रमला के पति का निधन हो गया। रमला के तो पुत्र-पुत्रियाँ भरा-पूरा परिवार है। अब तो लोगों को कहने का मौका मिल गया कि तिवरान की बेटियों को शिक्षा देना अभिशाप है। लोग जागरूक हुए। 1990 के बाद तो बेटियों को शिक्षित करने की लाइन लग गई। जहाँ भी रिस्ता खोजने जाते थे तो बेटे वाला पूछता था—कितना पढ़ी है? बेटियाँ शिक्षित भी हैं। नौकरी भी कर रही हैं। बारहवीं कक्षा पास, 90% बेटियाँ हैं। उच्च शिक्षित के कुछ नाम हैं :

1. आशा तिवारी पुत्री स्व. राजदेव तिवारी एम. ए. (इतिहास), (सुजानगंज तिलहरा की ग्राम प्रधान)।
2. अंकिता तिवारी पुत्री श्री ब्रह्मशंकर तिवारी पुत्र श्री शेषमणि तिवारी, B.Sc.
3. चन्द्रिका तिवारी पुत्री श्री कन्हैया लाल, B.Sc.
4. चंदा तिवारी पुत्री श्री शिवपूजन तिवारी पुत्र श्री बजरंगी तिवारी, B.A.।
5. ज्योति तिवारी पुत्री श्री रामप्रवेश तिवारी पुत्र स्व. अमरनाथ तिवारी, B.Com.।
6. खुशबू तिवारी पुत्री श्री संतोष तिवारी पुत्र स्व. देव नारायण तिवारी, B.Sc.।
7. खुशबू तिवारी पुत्री श्री शीतला प्रसाद तिवारी पुत्र स्व. हरिवंश तिवारी उर्फ पुटकी तिवारी, B.A.।
8. कोमल तिवारी पुत्री श्री श्रीप्रकाश तिवारी पुत्री श्री सत्यनारायण तिवारी, B.A.।
9. कुमुद तिवारी पुत्री श्री चिन्ता मणि तिवारी पुत्र स्व. पूर्णमासी तिवारी, M.Sc.
10. डॉ. मक्की तिवारी पुत्री श्री राम लखन उर्फ कोकिल तिवारी, M.A. (Pol.Sc.; Ph.D.)।
11. मोनिका तिवारी D/o श्री अशोक तिवारी पुत्र स्व. देव नारायण तिवारी,

B.A.।

12. मनोरमा तिवारी पुत्री श्री राम आसरे तिवारी पुत्र स्व. हरिशंकर तिवारी (पुत्र स्व. गंगा), M.A. Sanskrit।
13. डॉ. मल्लिका तिवारी पुत्री डॉ. सुशील तिवारी पुत्र डॉ. राज पति तिवारी, B.H.M.S.।
14. नीलम तिवारी पुत्री श्री राम नेति तिवारी, M.A., B.ed.।
15. नेहा तिवारी पुत्री श्री राकेश तिवारी पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण तिवारी, B.Com.।
16. नयन प्रिया उर्फ नैना तिवारी पुत्री डॉ. राज किशोर तिवारी, M.B.A. (मल्टी नेशनल कम्पनी में H.R.)।
17. प्रीति तिवारी पुत्री श्री श्याम धर तिवारी पुत्र स्व. हृदय नारायण तिवारी, M.A. (Hindi), B.ed. (शिक्षिका)।
18. पुष्पा तिवारी पुत्री स्व. राज देव तिवारी पुत्र स्व. धनरूप तिवारी, (B.A., B.Ed. शिक्षिका)।
19. प्रतीक्षा तिवारी पुत्री श्री शिव पूजन तिवारी पुत्र श्री बजरंगी तिवारी (B.A.)।
20. प्रीति तिवारी पुत्री श्री दुर्बली तिवारी पुत्र स्व. राम दवर तिवारी, B.A.।
21. पूजा तिवारी पुत्री श्री दुर्बली तिवारी पुत्र स्व. राम दवर तिवारी, M.A.।
22. डॉ. प्रीति तिवारी पुत्री श्री कन्हैया लाल, B.H.M.S.।
23. पूजा तिवारी पुत्री श्री जिलाजीत तिवारी पुत्र श्री जयशंकर तिवारी, B.Com.।
24. पिन्की तिवारी पुत्री श्री राकेश तिवारी पुत्र श्री फूल चन्द्र तिवारी, B.A.।
25. पूजा तिवारी पुत्री श्री ओम प्रकाश तिवारी पुत्र सत्य नारायण तिवारी, B.A.।
26. रीता तिवारी पुत्री स्व. राज देव तिवारी, B.Com. (सहारा बैंक)।

27. रेणु तिवारी पुत्री श्री चिन्ता मणि तिवारी, M.Sc.।
28. रुचिका तिवारी पुत्री श्री अमयराज उर्फ लल्लन तिवार पुत्र श्री रघुराज तिवारी, B.A.।
29. डॉ. शिप्रा तिवारी पुत्री डॉ. राज किशोर तिवारी, M.Sc.; Ph.D. (IT)।
30. शिवानी तिवारी पुत्री श्री संतोष तिवारी पुत्र स्व. देव नारायण तिवारी, B.A. (पोस्ट मास्टर)।
31. सोनी तिवारी पुत्री श्री राम जीत तिवारी पुत्र स्व. हरिशंकर तिवारी, (पुत्र स्व. गंगा) M.A.; Pol.Sc.।
32. सोनी तिवारी पुत्री श्री जगत नारायन तिवारी पुत्र स्व. देव नारायण तिवारी, B.A.।
33. सोनी तिवारी पुत्री श्री अंजनी तिवारी पुत्र स्व. राजधर तिवारी पुत्र स्व. धनरूप तिवारी, B.A.।
34. डॉ. स्मिता तिवारी पुत्री डॉ. राजपति तिवारी, M.A.; (Hindi, English) Ph.D.।
35. डॉ. स्वरिमा तिवारी पुत्री डॉ. राज किशोर तिवारी, B.E., M.Tech.; Ph.D. (State Project Managar Jharkhand Govt.)।

(38) डमरुआ तिवरान की बहुयें जो अब पढ़ी-लिखी आ रही हैं :—

इस गाँव में पहले शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं थी। केवल बहू चाहिए। बहू की शिक्षा के बारे में कोई पूछता भी नहीं था। लेकिन अब समय बदल रहा है। सूची से स्पष्ट है :

1. अनामिका तिवारी पत्नी श्री अखिलेश तिवारी पुत्री श्री बंशीधर तिवारी, B.A., B.Ed.।
2. आरती तिवारी पत्नी श्री अजय तिवारी पुत्र स्व. राम प्यारे तिवारी, B.A.।

3. बेबी तिवारी पत्नी श्री राम नारायण तिवारी पुत्र स्व. राजदेव तिवारी, B.A.।
4. ज्योति तिवारी पत्नी श्री आशीष तिवारी पुत्र स्व. सभाजीत तिवारी, M.A. (History)।
5. कवितांजली तिवारी पत्नी श्री श्याम नारायण तिवारी पुत्र स्व. राजदेव तिवारी, M.A.।
6. खुशबू तिवारी पत्नी श्री नागेन्द्र तिवारी पुत्र श्री राधे श्याम तिवारी, B.A.।
7. डॉ. मंजु तिवारी पत्नी डॉ. राज किशोर तिवारी, M.A. (English), Ph.D.।
8. प्रीति तिवारी पत्नी श्री शिव कुमार तिवारी पुत्र श्री रघुराज तिवारी।
9. पूजा तिवारी पत्नी श्री मुकेश तिवारी पुत्र श्री राम प्रवेश तिवारी, M.Sc. (Microbiology)।
10. नीलू तिवारी पत्नी श्री संदीप तिवारी पुत्र श्री सभाकर तिवारी, M.Com.।
11. प्रीति तिवारी पत्नी श्री नागेन्द्र तिवारी पुत्र श्री शेषमणि तिवारी, M.C.A.।
12. प्रमिला तिवारी पत्नी श्री अच्छे लाल तिवारी पुत्र श्री सत्य नारायण तिवारी, M.A.।
13. प्रियंका तिवारी पत्नी श्री प्रदीप तिवारी पुत्र स्व. ओंकार तिवारी, B.A.।
14. प्रतिभा तिवारी पत्नी श्री अरविन्द तिवारी पुत्र श्री शिवमणि तिवारी, M.Com.।
15. सीमा तिवारी पत्नी श्री वीरेन्द्र तिवारी पुत्र श्री रामनेति तिवारी, B.Com.।
16. पूजा तिवारी पत्नी श्री अतुल तिवारी पुत्र श्री सभाकर तिवारी, M.A. (Sociology)।
17. रागिनी तिवारी पत्नी श्री प्रदीप तिवारी पुत्र श्री रामजीत तिवारी, M.A. (Sociology)।
18. राधिका तिवारी पत्नी श्री सुरेश तिवारी पुत्र श्री राम प्रवेश तिवारी, B.A.।

19. रति तिवारी पत्नी श्री लाल साहब तिवारी, B.A. ।
20. सीमा तिवारी पत्नी श्री सुनील तिवारी पुत्र स्व. हरिशंकर तिवारी, M.A. (Sociology) ।
21. सरिता तिवारी पत्नी श्री सुशील तिवारी पुत्र श्री विजय शंकर तिवारी, M.A. (Sociology) ।
22. श्वेता तिवारी पत्नी श्री शिवाजी तिवारी पुत्र श्री जीत मनि तिवारी, M.A. (Sociology) ।
23. सुधा तिवारी पत्नी श्री आशीष तिवारी पुत्र श्री इन्द्रमणि तिवारी, B.A. ।
24. सोनू तिवारी पत्नी श्री संगम तिवारी पुत्र श्री त्रिभुवन तिवारी, M.A. (Hindi) ।
25. शशि तिवारी पत्नी श्री मिथलेश तिवारी पुत्र श्री बंशीधर तिवारी, B.A., B.Ed. ।
26. साधना तिवारी पत्नी श्री अरुन तिवारी पुत्र श्री रमाकान्त तिवारी, M.A. ।
27. डॉ. शरद तिवारी पत्नी डॉ. विनोद तिवारी पुत्र डॉ. राज पति तिवारी, M.A. (English), Ph.D. ।

(39) डमरुआ तिवरान के ग्राम प्रधान

1. स्व. सीता राम तिवारी
2. स्व राम शिरोमणि तिवारी
3. प्रेम प्रकाश तिवारी उर्फ भुल्लू तिवारी
4. श्रीमती मंजु तिवारी पत्नी श्री प्रेम प्रकाश तिवारी

BDC (Block Development Committee)

श्री स्वयम् प्रकाश तिवारी पुत्र श्री बाबू राम गायत्री तिवारी 5 साल के लिए ब्लॉक विकास समिति के सदस्य चुने गये।

(40) डमरुआ तिवरान के शिक्षक

1. स्व. रामगोपाल तिवारी
2. स्व. पूर्णमासी तिवारी

3. श्री यदुवंश तिवारी
4. श्री माता प्रसाद तिवारी
5. श्री रघुराज तिवारी
6. श्री राम भरत तिवारी
7. श्री शेषमणि तिवारी
8. श्री देवमणि तिवारी
9. श्री बजरंगी तिवारी
10. श्री विनय तिवारी
11. श्री संदीप तिवारी
12. श्री जय प्रकाश तिवारी
13. श्री रमा कान्त तिवारी

(41) डमरुआ तिवरान के पोस्ट मास्टर

1. स्व. राम प्रताप तिवारी
2. श्री कड़े दिन तिवारी
3. श्री छोटे लाल तिवारी
4. श्री शिव साहब तिवारी
5. कु. शिवानी तिवारी पुत्री श्री संतोष तिवारी

(42) डमरुआ तिवरान के प्रिंसिपल, प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक

1. डॉ. राज पति तिवारी

   पूर्व प्राचार्य, एवं अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग

   राजा बलवन्त सिंह कॉलेज, आगरा (उ. प्र.)

2. डॉ. राज किशोर तिवारी

पूर्व प्राचार्य तथा प्रोफेसर एवं हेड, जन्तु विज्ञान विभाग

अम्बाह पोस्ट ग्रैजुएट, कॉलेज, अम्बाह (म. प्र.)

3. डॉ. मंजु तिवारी

प्रोफेसर एवं हेड, अंग्रेजी विभाग

अम्बाह पोस्ट ग्रैजुएट, कॉलेज, अम्बाह (म. प्र.)

4. डॉ. सुशील तिवारी

वाइस-प्रिंसिपल

एयर फोर्स स्कूल, आगरा (उ. प्र.)

5. डॉ. विनोद तिवारी

कृषि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष

केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान,

कर्नाल (हरियाणा)

6. डॉ. रामजीत तिवारी

वरिष्ठ, कृषि वैज्ञानिक

महारानी राजा माता सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय, ग्वालियर (म. प्र.)

मनसा तिवारी वंशावली की श्रृंखला

ॐ

मनसा तिवारी परिवार (1785–2018)

ग्राम—डमरुआ

पोस्ट—डमरुआ (Damarua)

जिला—जौनपुर (उ. प्र.) 222 135

मनसा तिवारी (1785—1851)

पत्नी श्रीमती उकठा देवी

- रघुवर (1808)
  - मुसई
  - मंगल
  - भीख
  - टिहुंली
- धौंताल (1810)
  - चिखुरी
  - गुदरी उर्फ राम प्रसाद
  - देवी प्रसाद
  - हनु प्रसाद
  - माना (पुत्री)
- परसन (1812)
  - शीतल प्रसाद पत्नी–अंगना
    - कोई संतान नहीं।

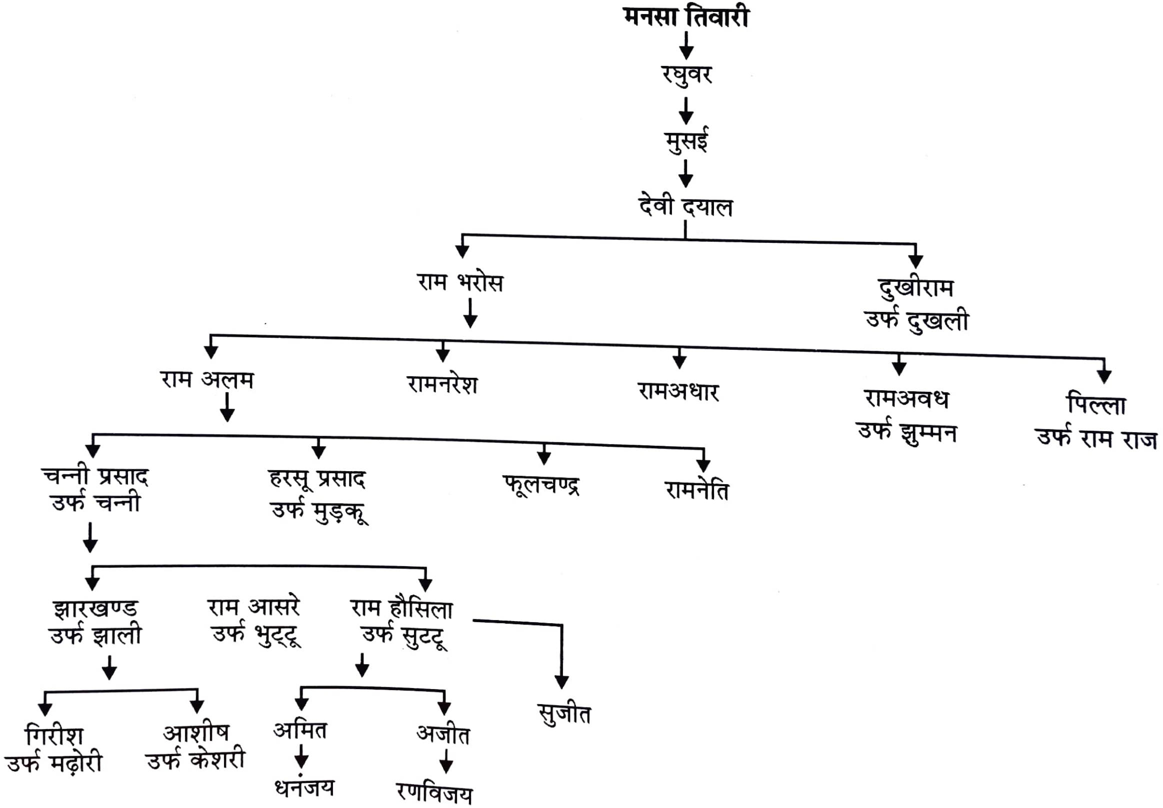
मनसा तिवारी
रघुवर
मुसई
देवी दयाल
राम भरोस
दुखीराम
उर्फ दुखली
राम अलम
रामनरेश
रामअधार
रामअवध
उर्फ झुम्मन
पिल्ला
उर्फ राम राज
चन्नी प्रसाद
उर्फ चन्नी
हरसू प्रसाद
उर्फ मुड़कू
फूलचण्द्र
रामनेति
झारखण्ड
उर्फ झाली
राम आसरे
उर्फ भुट्टू
राम हौसिला
उर्फ सुटटू
सुजीत
गिरीश
उर्फ मढ़ोरी
आशीष
उर्फ केशरी
अमित
धनंजय
अजीत
रणविजय

2- हरसू प्रसाद उर्फ भुड़कू का परिवार

- रामरेखा
  - राममनोहर
    - आदित्य
    - आदर्श
- शिवरेखा
  - शिवमनोहर
  - राहुल
- राम सागर

3- फूलचन्द्र का परिवार

- ओम प्रकाश
  - संजय
  - मिथलेश उर्फ दरोगा
- राकेश
  - रोशन

4- रामनेति

- वीरेन्द्र
  - अनुराग

रामनरेश का परिवार

- भुलेश्वर नाथ
  - वेटेश्वर नाथ
    - अनिल
      - यश उर्फ छोटू
      - अतुल
    - सुनिल
    - संतोष
  - विजय शंकर
    - सुशील
    - रविशंकर
  - जय शंकर
    - पवन उर्फ शुभ

राम अधार का परिवार

- लालता प्रसाद उर्फ खोधर
  - गजाधर उर्फ जगन्नाथ
    - केशव
      - सूरज
    - अजय
      - ऋषि
      - शिव
  - मगन उर्फ अमरनाथ
    - कृष्णा
      - आयुश
    - विनोद
      - नितिन
      - प्रिंस

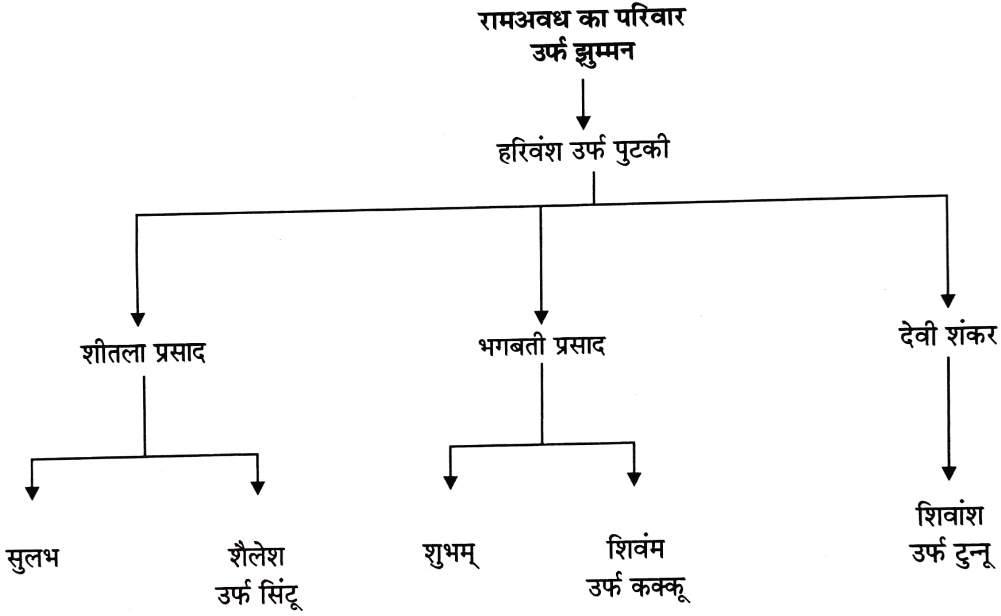
रामअवध का परिवार
उर्फ झुम्मन
हरिवंश उर्फ पुटकी
शीतला प्रसाद
भगबती प्रसाद
देवी शंकर
सुलभ
शैलेश
उर्फ सिंटू
शुभम्
शिवंम
उर्फ कक्कू
शिवांश
उर्फ टुन्नू

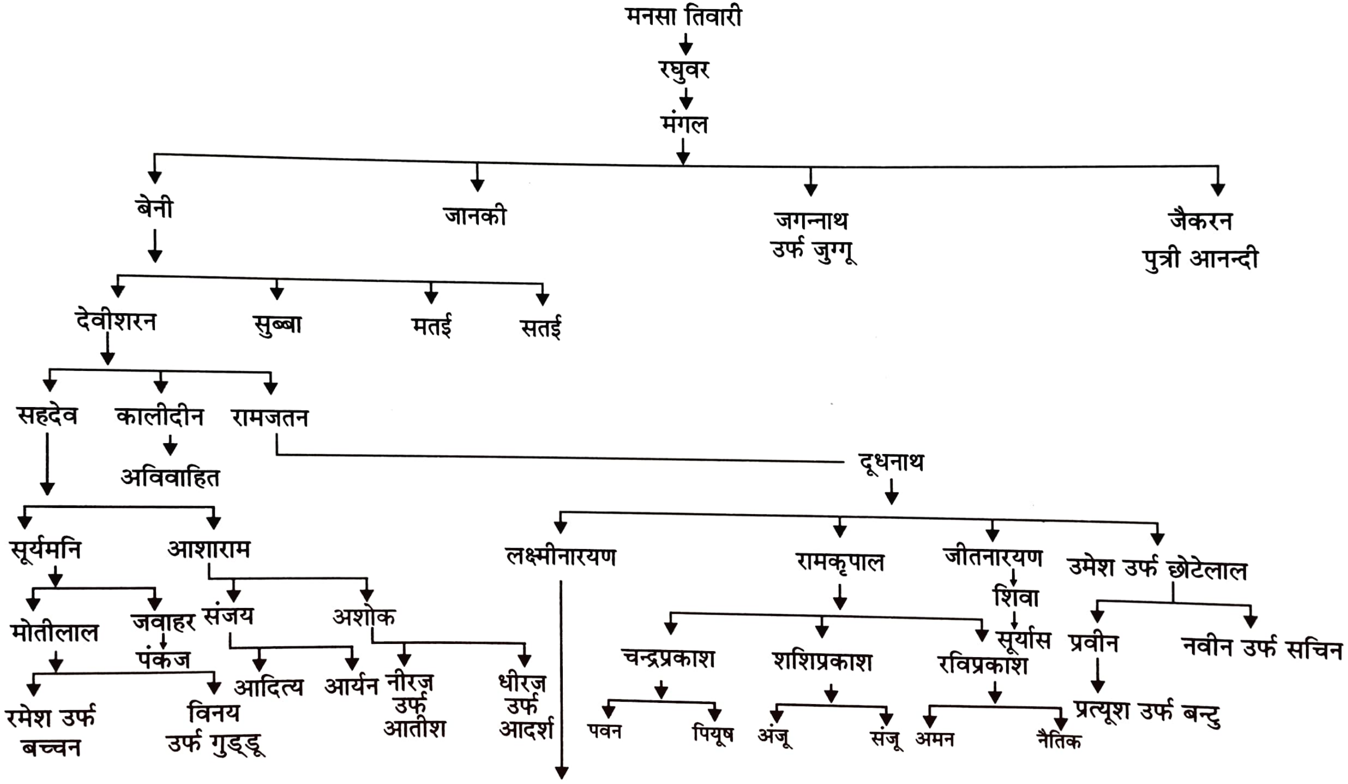
मनसा तिवारी
रघुवर
मंगल
बेनी
जानकी
जगन्नाथ उर्फ जुग्गू
जैकरन
पुत्री आनन्दी
देवीशरन
सुब्बा
मतई
सतई
सहदेव
कालीदीन
रामजतन
अविवाहित
दूधनाथ
सूर्यमनि
आशाराम
लक्ष्मीनारयण
रामकृपाल
जीतनारयण
उमेश उर्फ छोटेलाल
शिवा
मोतीलाल
जवाहर
संजय
अशोक
पंकज
सूर्यास
प्रवीन
नवीन उर्फ सचिन
चन्द्रप्रकाश
शशिप्रकाश
रविप्रकाश
आदित्य
आर्यन
नीरज़ उर्फ आतीश
धीरज़ उर्फ आदर्श
रमेश उर्फ बच्चन
विनय उर्फ गुड्डू
पवन
पियूष
अंजू
संजू
अमन
नैतिक
प्रत्यूश उर्फ बन्टु

लक्ष्मी नारायण का परिवार

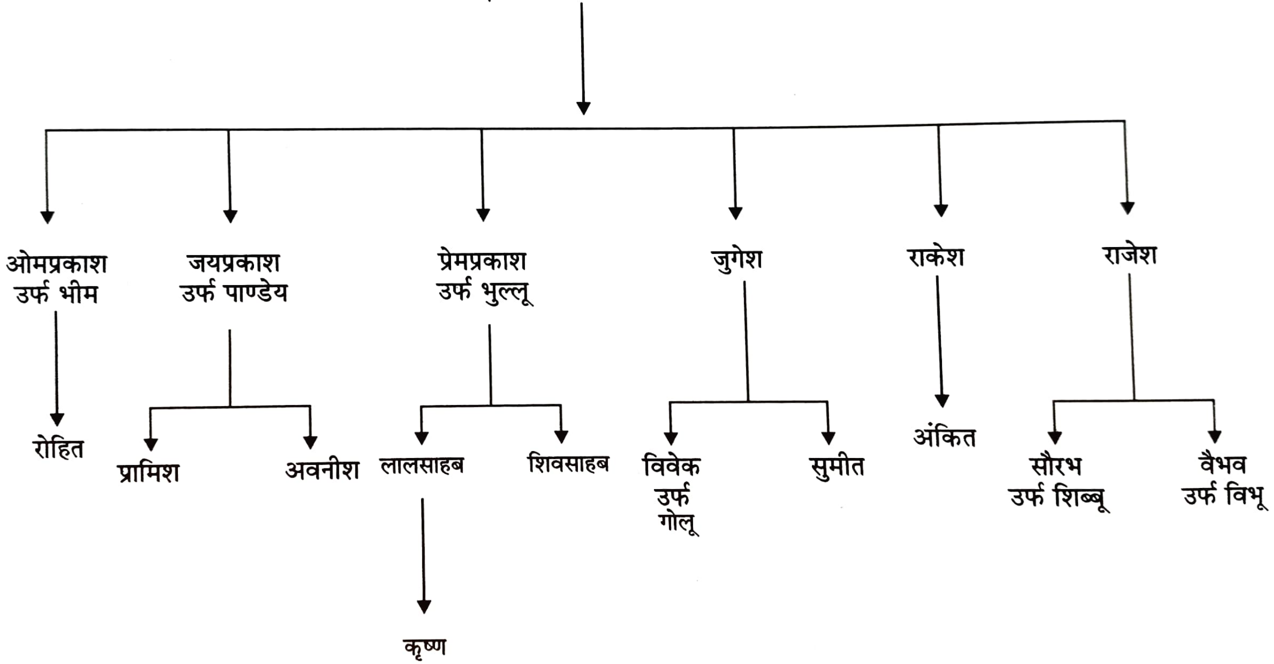

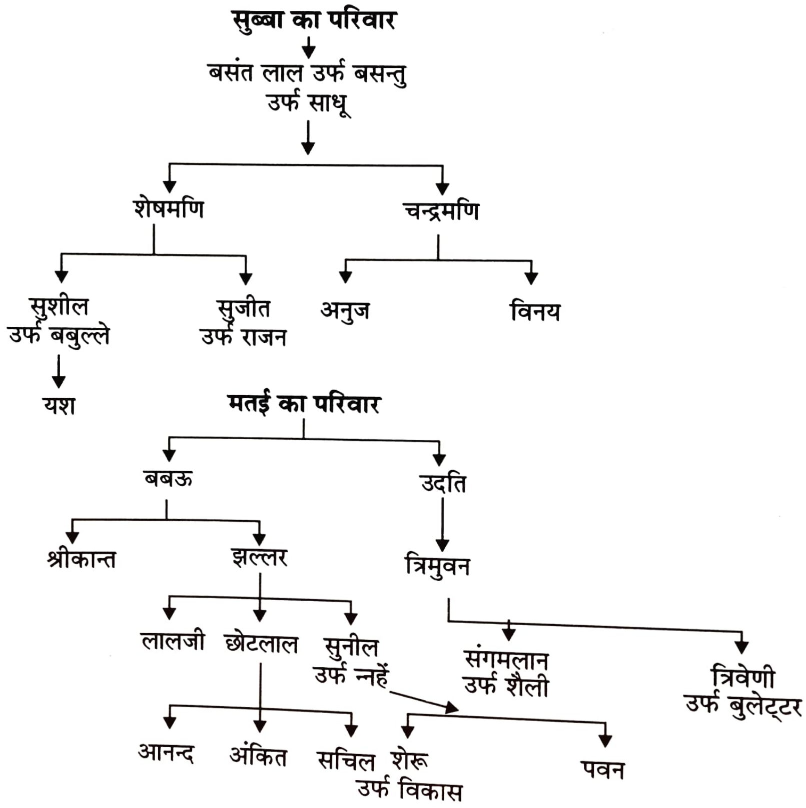
सुब्बा का परिवार
बसंत लाल उर्फ बसन्तु
उर्फ साधू
शेषमणि
चन्द्रमणि
सुशील
उर्फ बबुल्ले
सुजीत
उर्फ राजन
अनुज
विनय
यश
मतई का परिवार
बबऊ
उदति
श्रीकान्त
झल्लर
त्रिमुवन
लालजी
छोटलाल
सुनील
उर्फ न्नहें
संगमलान
उर्फ शैली
त्रिवेणी
उर्फ बुलेट्टर
आनन्द
अंकित
सचिल
शेरू
उर्फ विकास
पवन

सतई का परिवार

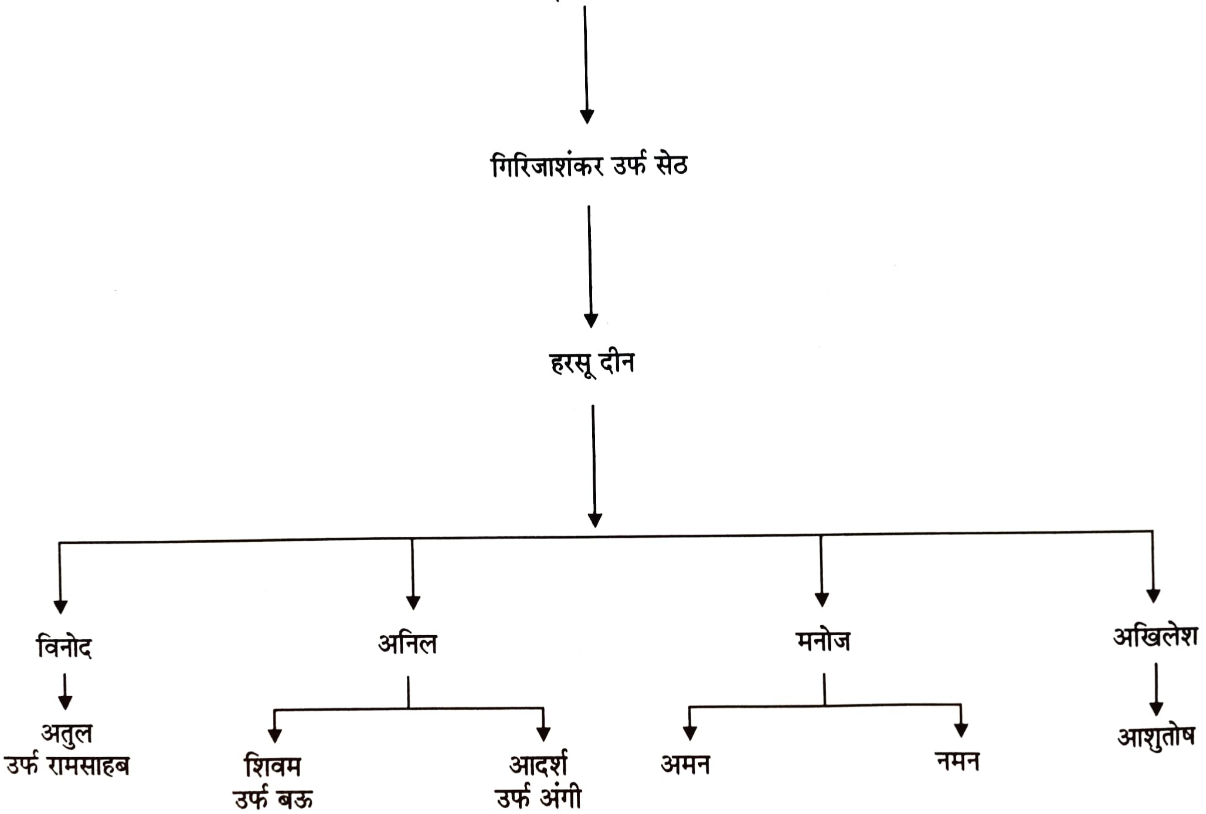
गिरिजाशंकर उर्फ सेठ
हरसू दीन
विनोद
अनिल
मनोज
अखिलेश
अतुल उर्फ रामसाहब
शिवम उर्फ बऊ
आदर्श उर्फ अंगी
अमन
नमन
आशुतोष

मनसा तिवारी का परिवार

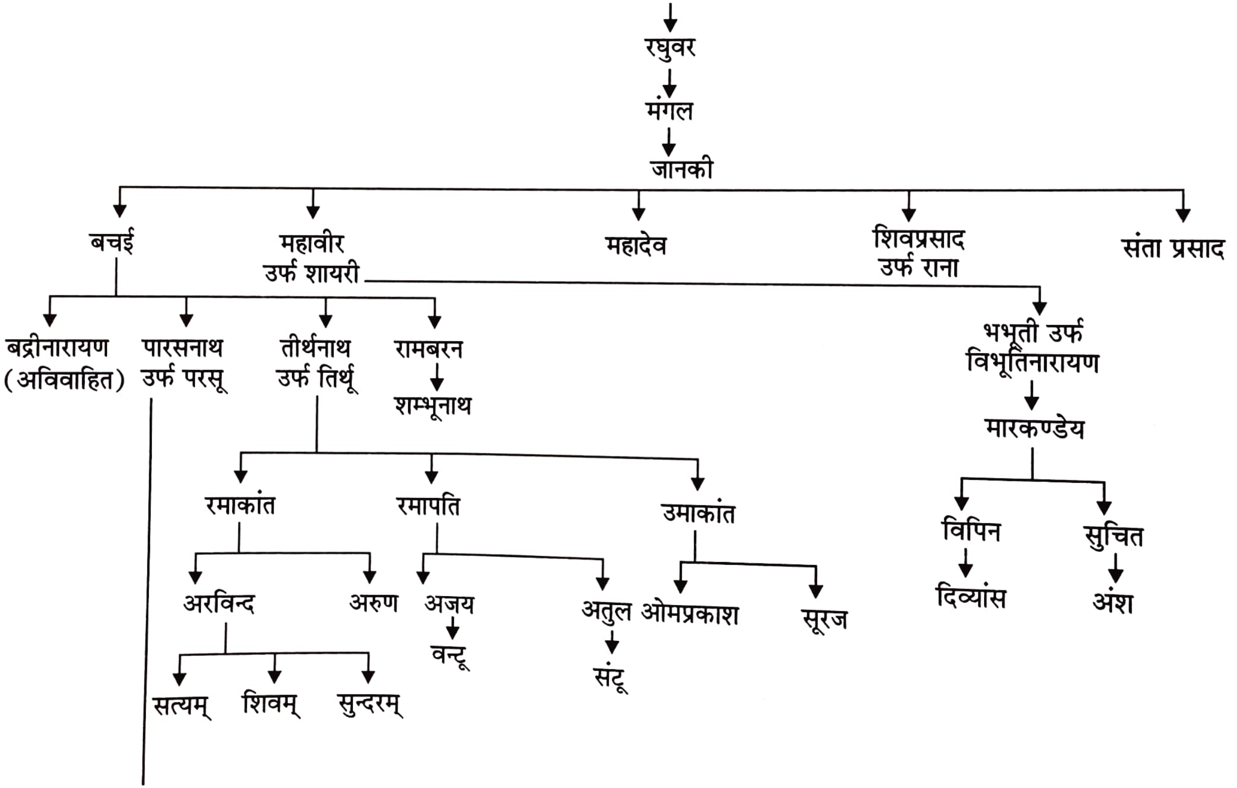

पारस नाथ उर्फ परसू का परिवार

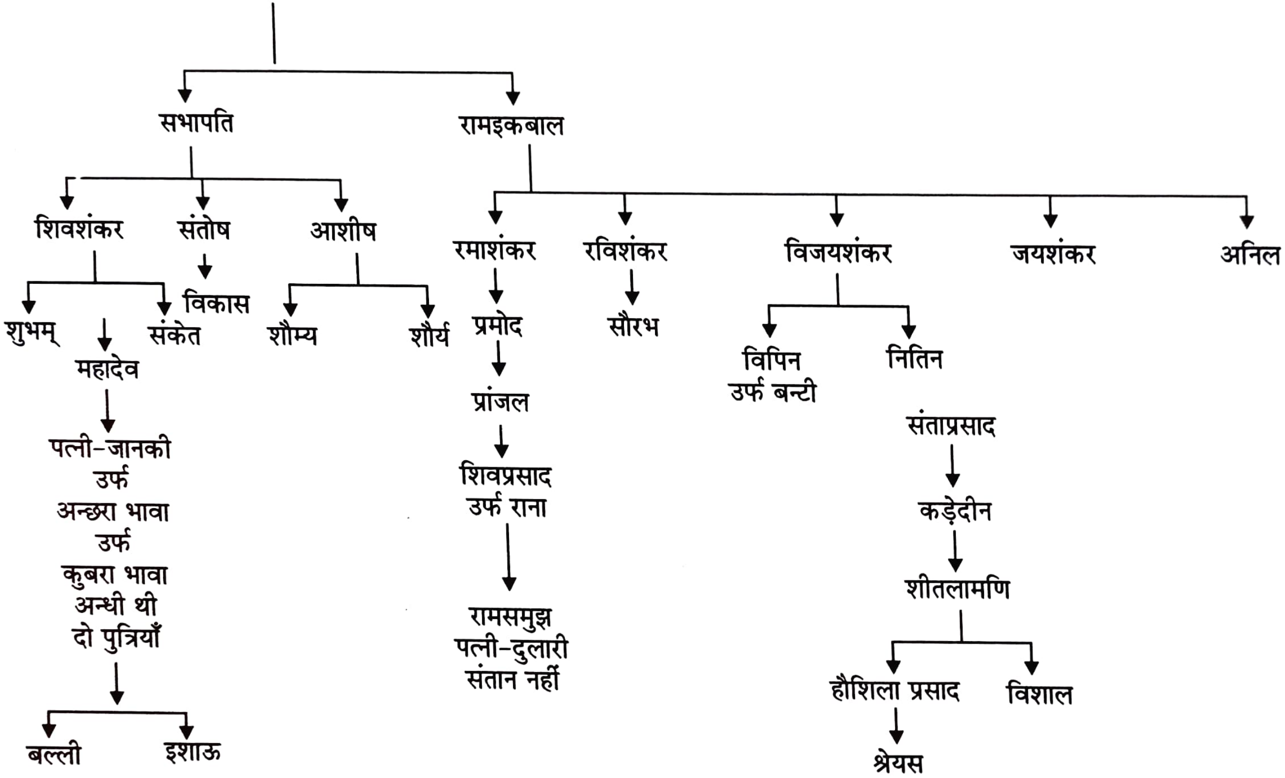

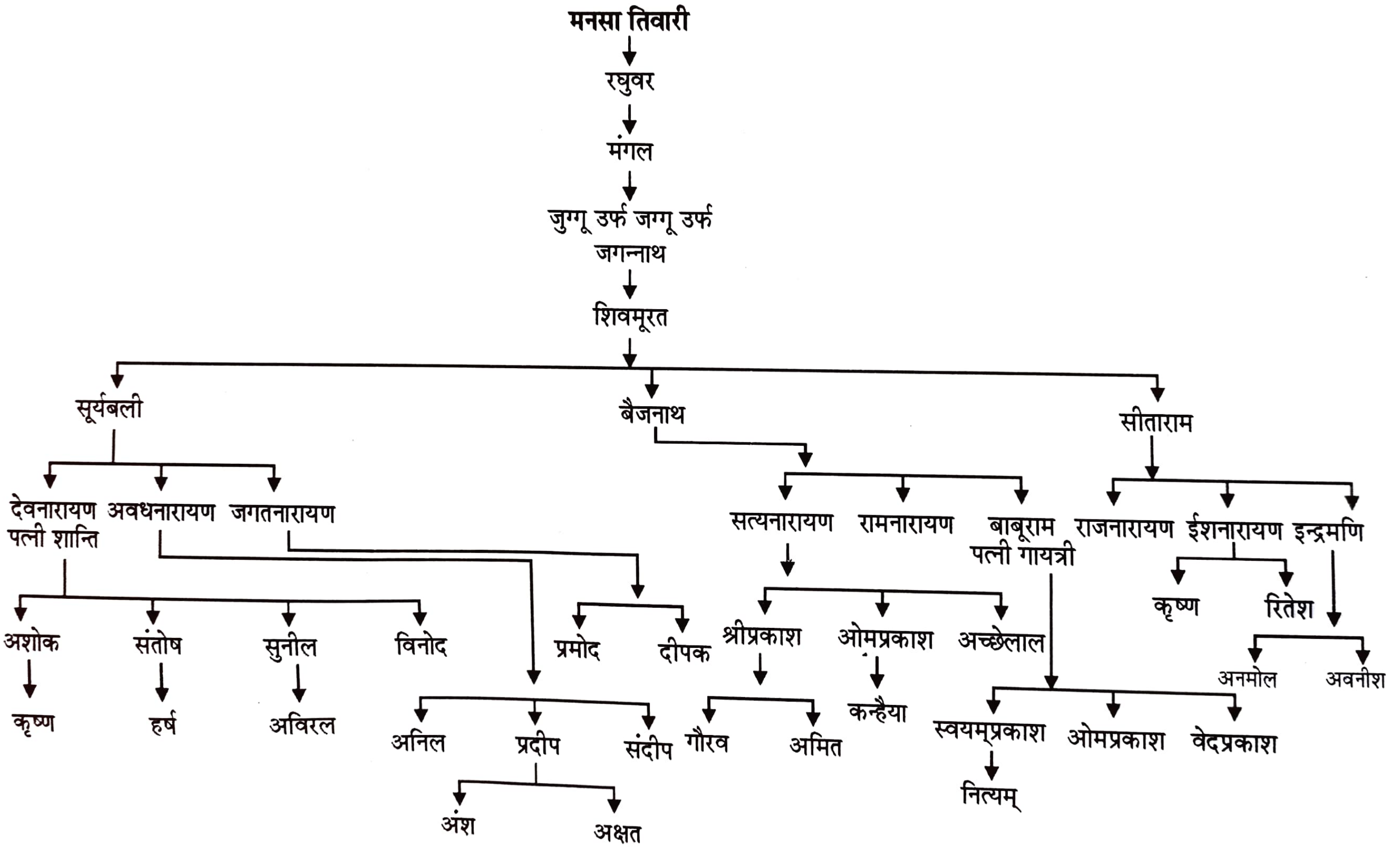
मनसा तिवारी
रघुवर
मंगल
जुग्गू उर्फ जग्गू उर्फ
जगन्नाथ
शिवमूरत
सूर्यबली
बैजनाथ
सीताराम
देवनारायण
पत्नी शान्ति
अवधनारायण
जगतनारायण
सत्यनारायण
रामनारायण
बाबूराम
पत्नी गायत्री
राजनारायण
ईशनारायण
इन्द्रमणि
अशोक
संतोष
सुनील
विनोद
प्रमोद
दीपक
श्रीप्रकाश
ओमप्रकाश
अच्छेलाल
कृष्ण
रितेश
अनमोल
अवनीश
कृष्ण
हर्ष
अविरल
अनिल
प्रदीप
संदीप
गौरव
अमित
कन्हैया
स्वयम्प्रकाश
ओमप्रकाश
वेदप्रकाश
नित्यम्
अंश
अक्षत

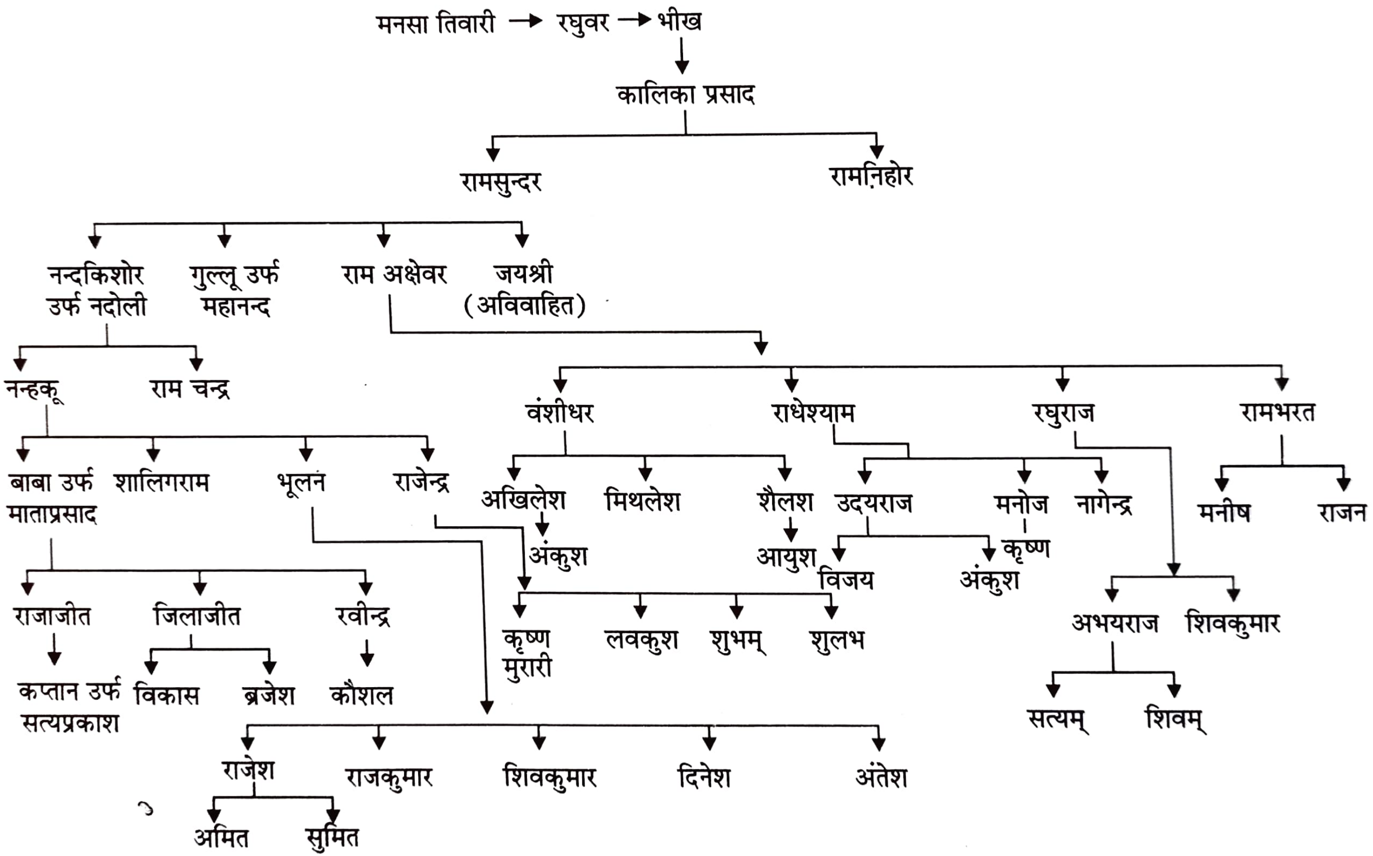

मनसा तिवारी
रघुवर
भीख
कालिका प्रसाद
रामसुन्दर
रामनिहोर
नन्दकिशोर उर्फ नदोली
गुल्लू उर्फ महानन्द
राम अक्षेवर
जयश्री (अविवाहित)
नन्हकू
राम चन्द्र
वंशीधर
राधेश्याम
रघुराज
रामभरत
बाबा उर्फ माताप्रसाद
शालिगराम
भूलन
राजेन्द्र
अखिलेश
मिथलेश
शैलश
उदयराज
मनोज
नागेन्द्र
मनीष
राजन
अंकुश
आयुश
कृष्ण
विजय
अंकुश
राजाजीत
जिलाजीत
रवीन्द्र
कृष्ण मुरारी
लवकुश
शुभम्
शुलभ
अभयराज
शिवकुमार
कप्तान उर्फ सत्यप्रकाश
विकास
ब्रजेश
कौशल
सत्यम्
शिवम्
राजेश
राजकुमार
शिवकुमार
दिनेश
अंतेश
अमित
सुमित

रामनिहोर का परिवार

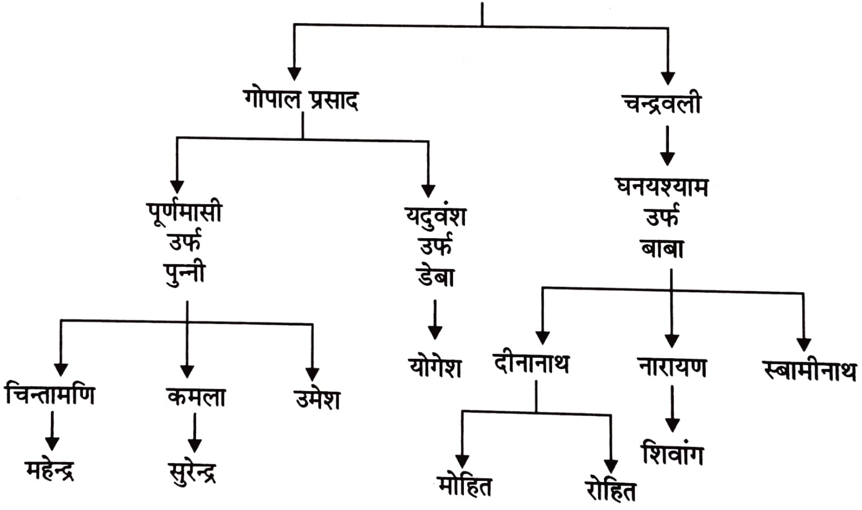
गोपाल प्रसाद
चन्द्रवली
पूर्णमासी उर्फ पुन्नी
यदुवंश उर्फ डेबा
घनयश्याम उर्फ बाबा
चिन्तामणि
कमला
उमेश
योगेश
दीनानाथ
नारायण
स्बामीनाथ
महेन्द्र
सुरेन्द्र
मोहित
रोहित
शिवांग

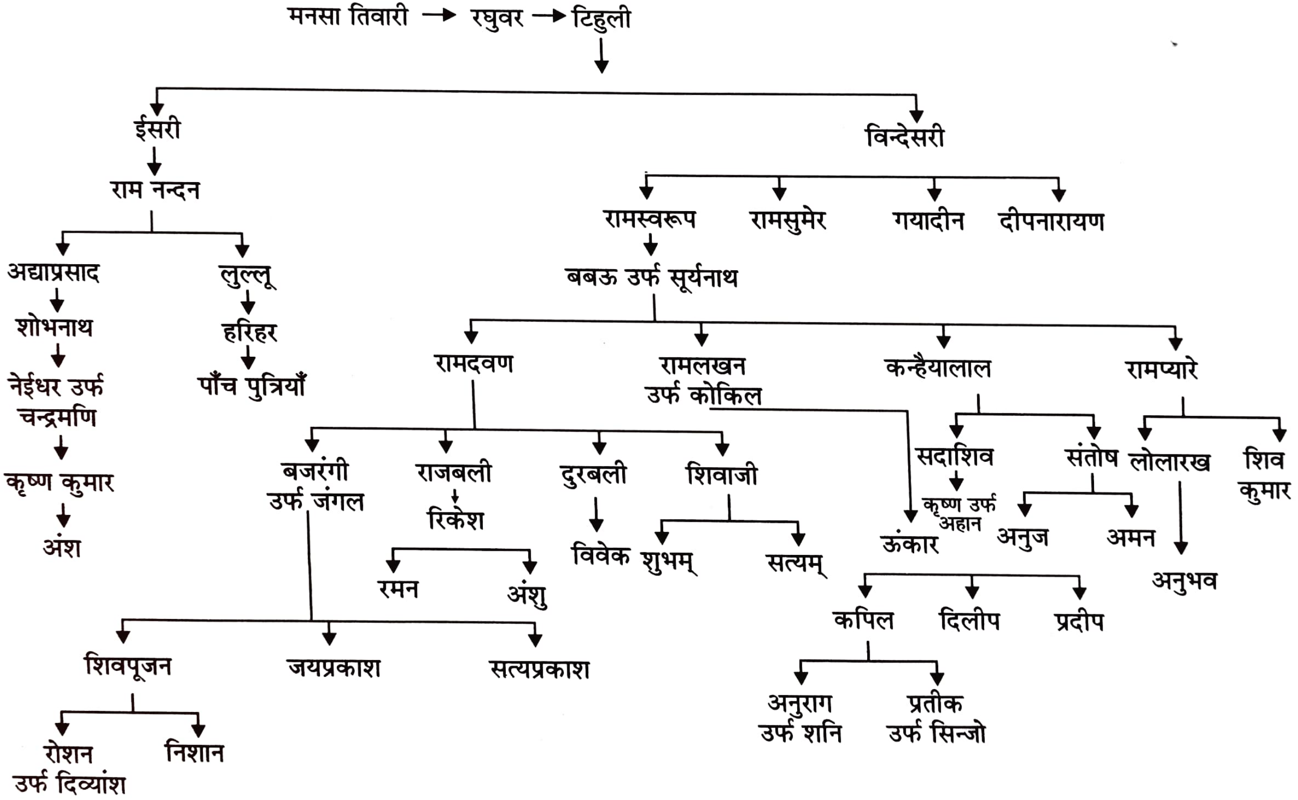

मनसा तिवारी
रघुवर
टिहुली
ईसरी
विन्देसरी
राम नन्दन
अद्याप्रसाद
लुल्लू
शोभनाथ
हरिहर
नेईधर उर्फ चन्द्रमणि
पाँच पुत्रियाँ
कृष्ण कुमार
अंश
रामस्वरूप
रामसुमेर
गयादीन
दीपनारायण
बबऊ उर्फ सूर्यनाथ
रामदवण
रामलखन उर्फ कोकिल
कन्हैयालाल
रामप्यारे
बजरंगी उर्फ जंगल
राजबली
दुरबली
शिवाजी
रिकेश
रमन
अंशु
विवेक
शुभम्
सत्यम्
शिवपूजन
जयप्रकाश
सत्यप्रकाश
रोशन उर्फ दिव्यांश
निशान
ऊंकार
कपिल
दिलीप
प्रदीप
अनुराग उर्फ शनि
प्रतीक उर्फ सिन्जो
सदाशिव
कृष्ण उर्फ अहान
संतोष
अनुज
अमन
लोलारख
अनुभव
शिव कुमार

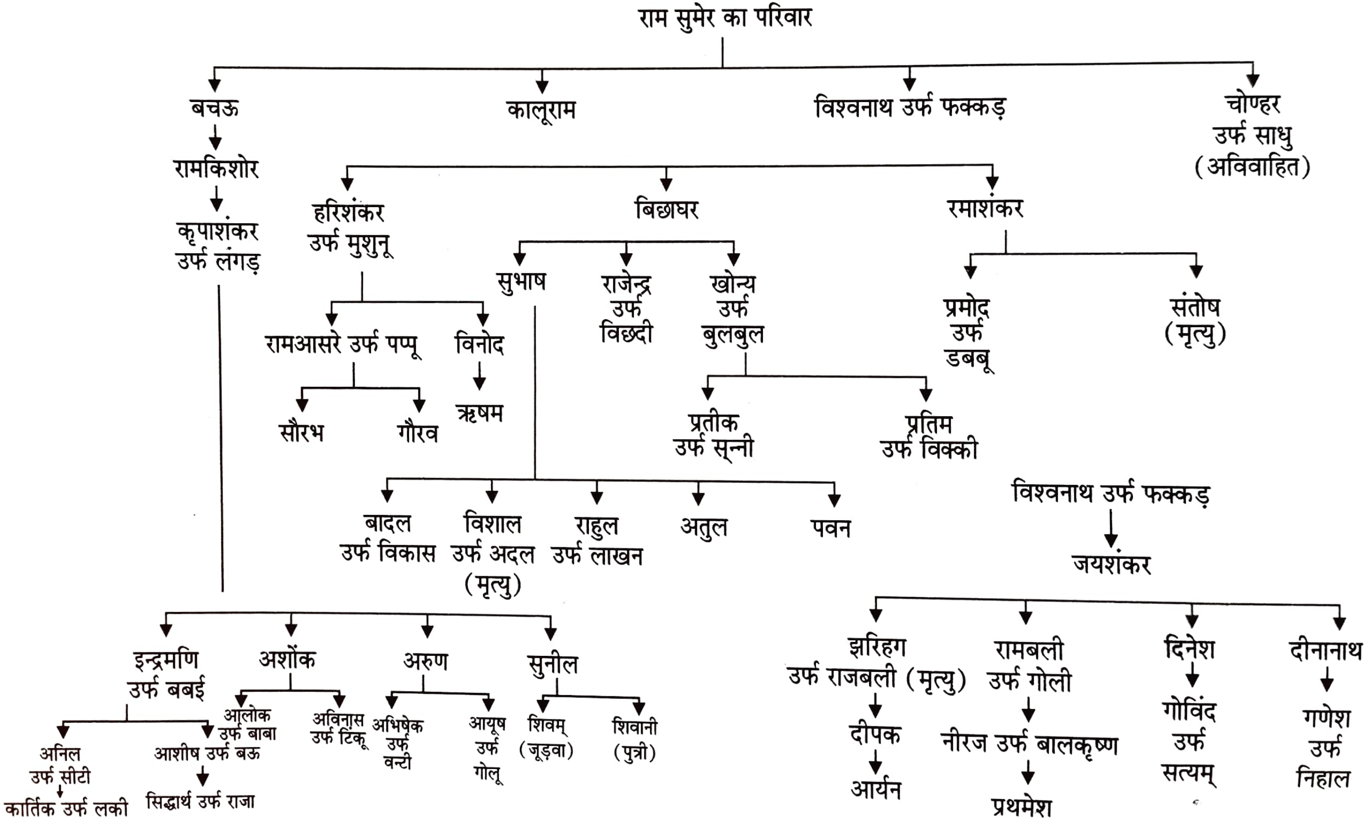

राम सुमेर का परिवार
बचऊ
रामकिशोर
कृपाशंकर उर्फ लंगड़
कालूराम
विश्वनाथ उर्फ फक्कड़
चोण्हर उर्फ साधु (अविवाहित)
हरिशंकर उर्फ मुशुनू
बिछाघर
रमाशंकर
सुभाष
राजेन्द्र उर्फ विछ्दी
खोन्य उर्फ बुलबुल
प्रमोद उर्फ डबबू
संतोष (मृत्यु)
रामआसरे उर्फ पप्पू
विनोद
सौरभ
गौरव
ऋषम
प्रतीक उर्फ सन्नी
प्रतिम उर्फ विक्की
बादल उर्फ विकास
विशाल उर्फ अदल (मृत्यु)
राहुल उर्फ लाखन
अतुल
पवन
विश्वनाथ उर्फ फक्कड़
जयशंकर
इन्द्रमणि उर्फ बबई
अशोंक
अरुण
सुनील
अनिल उर्फ सीटी
कार्तिक उर्फ लकी
आशीष उर्फ बऊ
सिद्धार्थ उर्फ राजा
आलोक उर्फ बाबा
अविनास उर्फ टिंकू
अभिषेक उर्फ वन्टी
आयूष उर्फ गोलू
शिवम् (जूड़वा)
शिवानी (पुत्री)
झरिहग उर्फ राजबली (मृत्यु)
दीपक
आर्यन
रामबली उर्फ गोली
नीरज उर्फ बालकृष्ण
प्रथमेश
दिनेश
गोविंद उर्फ सत्यम्
दीनानाथ
गणेश उर्फ निहाल

गयादीन का परिवार

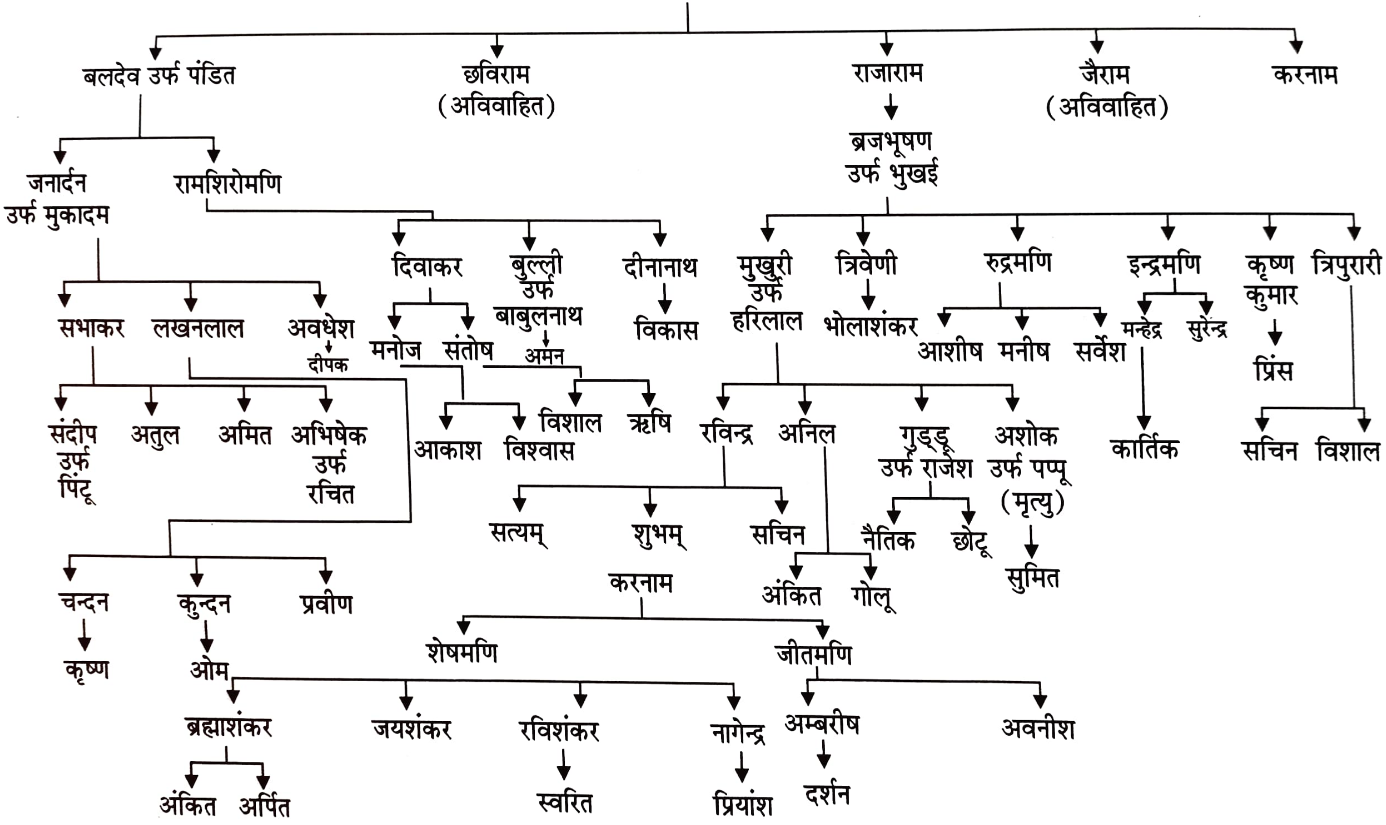
बलदेव उर्फ पंडित
छविराम (अविवाहित)
राजाराम
जैराम (अविवाहित)
करनाम
जनार्दन उर्फ मुकादम
रामशिरोमणि
ब्रजभूषण उर्फ भुखई
दिवाकर
बुल्ली उर्फ बाबुलनाथ
दीनानाथ
मुखुरी उर्फ हरिलाल
त्रिवेणी
रुद्रमणि
इन्द्रमणि
कृष्ण कुमार
त्रिपुरारी
सभाकर
लखनलाल
अवधेश
दीपक
मनोज
संतोष
अमन
विकास
भोलाशंकर
आशीष
मनीष
सर्वेश
मन्हेद्र
सुरेंद्र
प्रिंस
संदीप उर्फ पिंटू
अतुल
अमित
अभिषेक उर्फ रचित
आकाश
विश्वास
विशाल
ऋषि
रविन्द्र
अनिल
गुड्डू उर्फ राजेश
अशोक उर्फ पप्पू (मृत्यु)
कार्तिक
सचिन
विशाल
सत्यम्
शुभम्
सचिन
नैतिक
छोटू
सुमित
अंकित
गोलू
करनाम
चन्दन
कुन्दन
प्रवीण
कृष्ण
ओम
शेषमणि
जीतमणि
ब्रह्माशंकर
जयशंकर
रविशंकर
नागेन्द्र
अम्बरीष
अवनीश
अंकित
अर्पित
स्वरित
प्रियांश
दर्शन

करनाम का परिवार

- शेषमणि
  - ब्रह्माशंकर
    - अंकित
    - अर्पित
  - जयशंकर
  - रविशंकर
    - स्वरित
  - नागेन्द्र
    - प्रियांश
- जीतमणि
  - अम्बरीष
    - दर्शन
  - अवनीश

दीपनारायण का परिवार

- यदुनाथ उर्फ लोदई
  - जगदीश उर्फ देल्हू
    - श्यामनारायण उर्फ गामा
      - केशव
    - श्यामसुन्दर उर्फ करिया
      - रजनीश
      - नितिन
      - विपिन
- रामप्रताप
  - गुलाबचन्द्र उर्फ बुद्धू
    - शशिकान्त
      - अंकित
      - अंकुर
    - विजयकान्त
    - अजय
      - राज्य
    - संजय
  - लालाचन्द्र
    - सच्चितानन्द
      - प्रशांत
      - प्रतीक
- उदयराज उर्फ नन्हकू
  - रमेश (मृत्यु)
  - प्रेमचन्द्र
    - साहबलाल
    - रिंकू उर्फ मनीर्ष
    - पिन्टू उर्फ अवनीश
  - मोहनलाल
    - संदीप

मनसा तिवारी
↓
धौंताल प्रसाद
↓
चिखुरी प्रसाद
↓

- मथुरा प्रसाद (कोई संतान नहीं)
- द्वारिका प्रसाद उर्फ बउकन बाबा पत्नी- वंशी (पिलखुना)
  - गंगा पत्नी-धनपत्ती (गौरा-निगोह)
  - भैरवप्रसाद उर्फ गुल्लू
  - सत्यनारायण उर्फ नुन्नू
- चानिका प्रसाद उर्फ शोखा बाबा पत्नी- जशोदा (बहरइची- भिखारीपुर)

- जगन्नाथ → हृदय नारायण
  - श्यामघर
  - गुलाबधर उर्फ खन्ना
    - दीपेश (जुड़वा)
    - दीपावली
  - श्रीधर उर्फ मुन्ना → जयेन्द्र
  - सुशील
- हरिशंकर पत्नी-सिंगारी
  - रामआसरे → सुनील
    - आयुष
    - उचित
  - रामजीत
    - ओमप्रकाश → शिव
    - प्रदीप
  - समरजीत → अजय
  - विजय
    - रितिक
    - आदित्य
- शेषदीन
  - रामयश उर्फ जंगल → सूरज
  - रामसजीवन → रिषभ
  - इन्द्रमणि उर्फ वकिल → कृष्ण

भैरवप्रसाद
उर्फ
गुल्लू का परिवार

- रामसेवक
  - सभाजीत
    - दिनेश
    - मनोज
    - पंकज
- जटाशंकर
  - जिलाजीत
    - आशीष उर्फ लल्ला
    - सुमित उर्फ मोनू
  - प्रमोद उर्फ बबुले
  - मुनीम उर्फ अखलेश
- कमलाशंकर
  - राजेन्द्र
    - सौरभ
    - शुभम्
  - विनोद उर्फ भैयालाल
    - सचिन
    - छोटू
- दयाशंकर
  - लल्लन
    - संतोष उर्फ नीरज
    - पवन
  - अनिल
    - छोटू
- कृपाशंकर (मृत्यु) पत्नी–रीवा की है
- रमाशंकर
  - विनय
    - शिवांस उर्फ वासु
  - दीपक
    - यश

सत्यनारायण उर्फ **नुन्नू का परिवार**

- रघुनाथ
  - अशोक (मृत्यु)
    - विधिरक्षा (रीवा–ननिहाल में)
    - शुभम् (मृत्यु)

चानिका प्रसाद
उर्फ
सोखा का परिवार

- धनरुप पत्नी–गजवन्ती उर्फ रज्जी शुक्ला
- मोतीदीन उर्फ बाबा
- भोलानाथ
- हुबलाल

- राजमणि पत्नी–हुबराजी (अवरइला)
  - जगदीश उर्फ जंगल
    - राहुल
      - रोशन
    - रोहित
- राजदेव पत्नी–देवराजी (बेलवना) दो विवाह
  - डा. रामजीत
    - सौयर्न
  - सभाजीत
- डा. राजपति पत्नी–सरस्वती (मिश्री गड़ौरा)
  - डा. विनोद पत्नी– डा. शरद
    - मयंक
    - मलय (मृत्यु)
  - डा. सुशील पत्नी– बलवीर
    - डा. मल्लिका
- राजधर
  - अंजनी
    - मनीष
      - सूर्यांश
    - राजेश
  - शिवकुमार उर्फ अंचू
    - लकी
- डा. राजकिशोर पत्नी डा. मंजु
  - डा. शिप्रा संजीव तिवारी जयपुर
  - डा. स्वरिमा पंकज मिश्रा राँची
  - नयन प्रिया तुषार दिल्ली
  - प्रतीक्षित उर्फ शेरवर

राजदेव पत्नी–नयका (मण्डा)

- सूर्यनारायण
  - आर्यन
- रामनारायण
- श्यामनारायण
- केतन उर्फ राजू

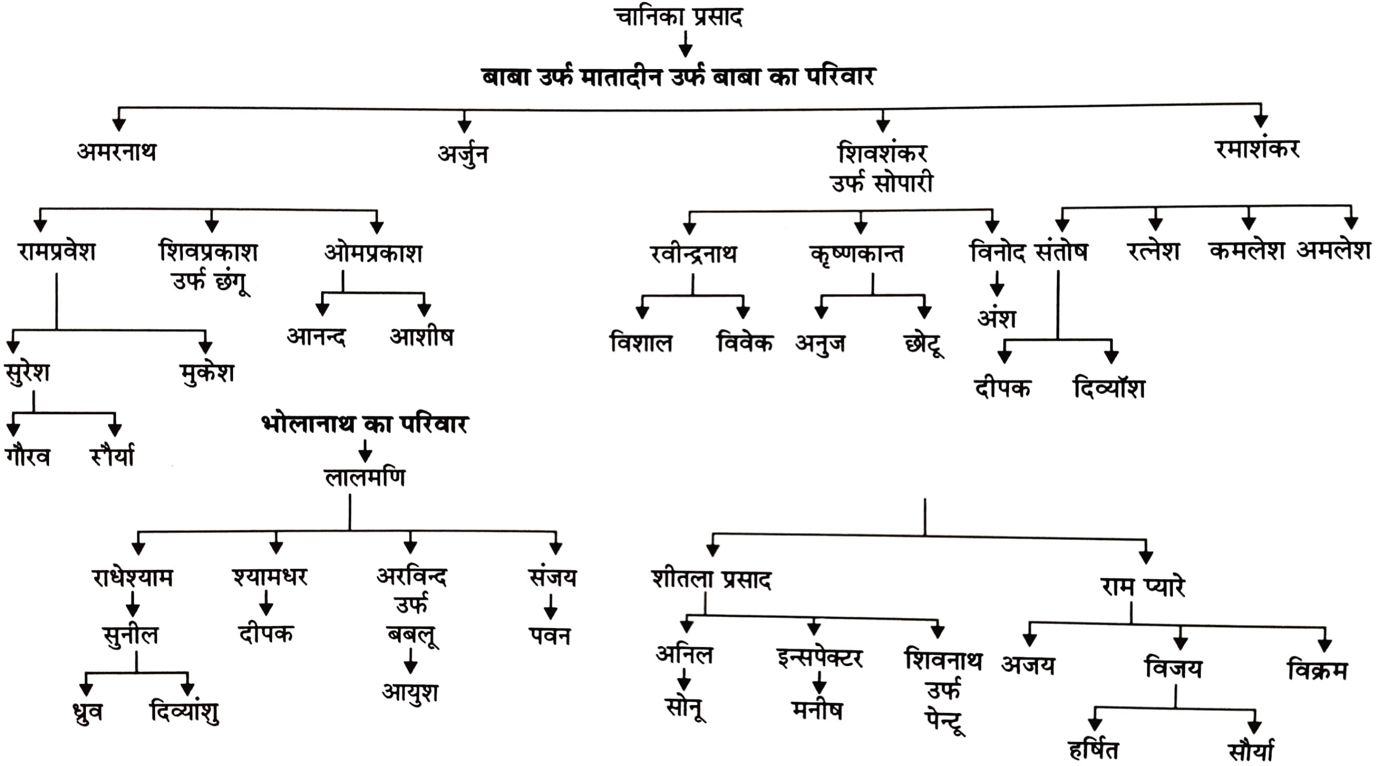
चानिका प्रसाद
बाबा उर्फ मातादीन उर्फ बाबा का परिवार
अमरनाथ
अर्जुन
शिवशंकर उर्फ सोपारी
रमाशंकर
रामप्रवेश
शिवप्रकाश उर्फ छंगू
ओमप्रकाश
आनन्द
आशीष
सुरेश
मुकेश
गौरव
सौर्या
रवीन्द्रनाथ
कृष्णकान्त
विनोद
विशाल
विवेक
अनुज
छोटू
अंश
संतोष
रत्नेश
कमलेश
अमलेश
दीपक
दिव्यॉश
भोलानाथ का परिवार
लालमणि
राधेश्याम
श्यामधर
अरविन्द उर्फ बबलू
संजय
सुनील
दीपक
आयुश
पवन
ध्रुव
दिव्यांशु
शीतला प्रसाद
राम प्यारे
अनिल
इन्सपेक्टर
शिवनाथ उर्फ पेन्टू
सोनू
मनीष
अजय
विजय
विक्रम
हर्षित
सौर्या

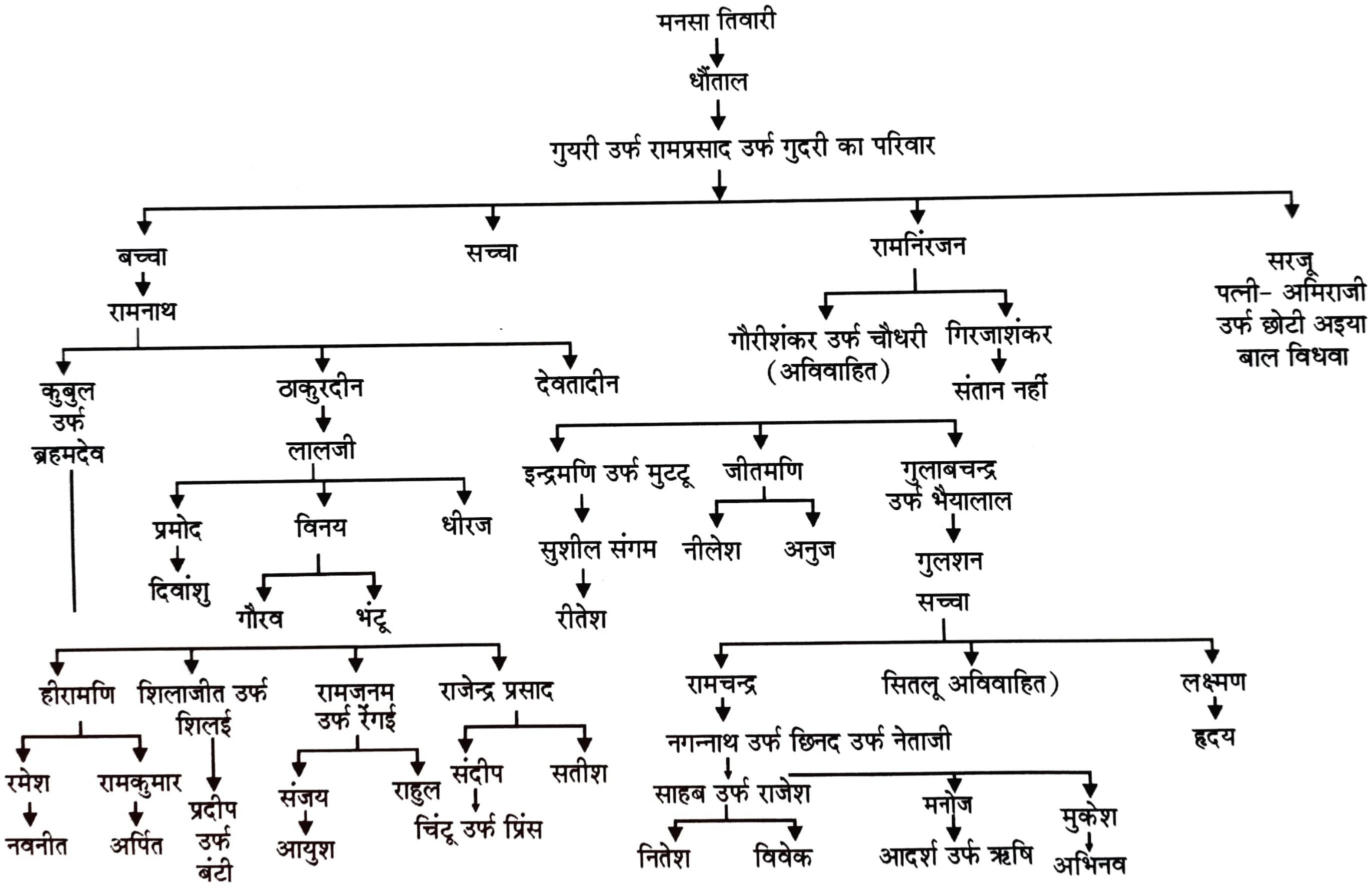
मनसा तिवारी
धौंताल
गुयरी उर्फ रामप्रसाद उर्फ गुदरी का परिवार
बच्चा
सच्चा
रामनिरंजन
सरजू
पत्नी- अमिराजी
उर्फ छोटी अइया
बाल विधवा
रामनाथ
गौरीशंकर उर्फ चौधरी
(अविवाहित)
गिरजाशंकर
संतान नहीं
कुबुल
उर्फ
ब्रहमदेव
ठाकुरदीन
देवतादीन
लालजी
इन्द्रमणि उर्फ मुट्टू
जीतमणि
गुलाबचन्द्र
उर्फ भैयालाल
प्रमोद
विनय
धीरज
सुशील संगम
नीलेश
अनुज
गुलशन
दिवांशु
गौरव
भंटू
रीतेश
सच्चा
हीरामणि
शिलाजीत उर्फ
शिलई
रामजनम
उर्फ रेंगई
राजेन्द्र प्रसाद
रामचन्द्र
सितलू अविवाहित)
लक्ष्मण
नगन्नाथ उर्फ छिनद उर्फ नेताजी
हृदय
रमेश
रामकुमार
प्रदीप
उर्फ
बंटी
संजय
राहुल
संदीप
सतीश
साहब उर्फ राजेश
मनोज
मुकेश
नवनीत
अर्पित
आयुश
चिंटू उर्फ प्रिंस
नितेश
विवेक
आदर्श उर्फ ऋषि
अभिनव

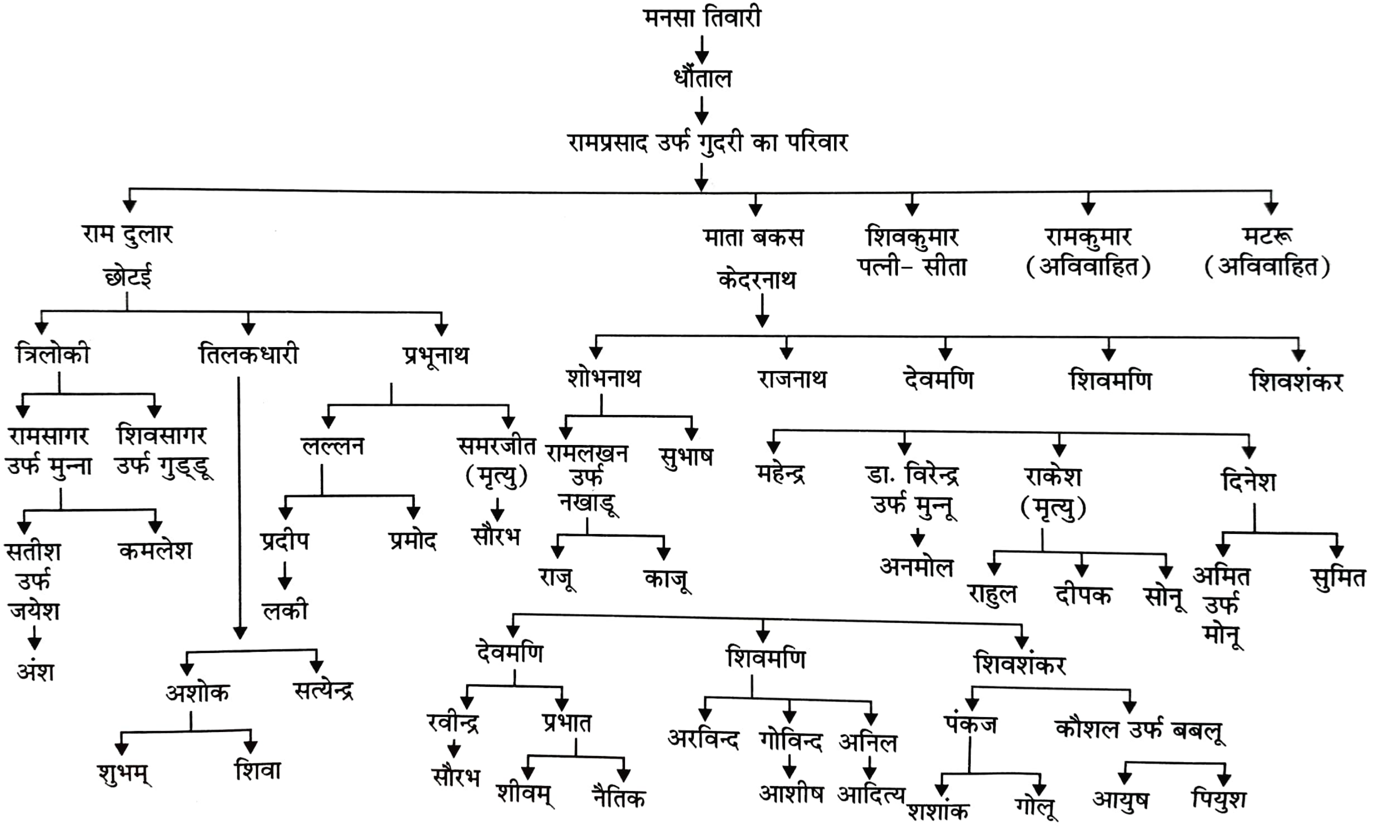
मनसा तिवारी
धौंताल
रामप्रसाद उर्फ गुदरी का परिवार
राम दुलार
छोटई
माता बकस
केदरनाथ
शिवकुमार
पत्नी– सीता
रामकुमार
(अविवाहित)
मटरू
(अविवाहित)
त्रिलोकी
तिलकधारी
प्रभूनाथ
शोभनाथ
राजनाथ
देवमणि
शिवमणि
शिवशंकर
रामसागर
उर्फ मुन्ना
शिवसागर
उर्फ गुड्डू
लल्लन
समरजीत
(मृत्यु)
रामलखन
उर्फ
नखाडू
सुभाष
महेन्द्र
डा. विरेन्द्र
उर्फ मुन्नू
राकेश
(मृत्यु)
दिनेश
सतीश
उर्फ
जयेश
कमलेश
प्रदीप
प्रमोद
सौरभ
राजू
काजू
अनमोल
राहुल
दीपक
सोनू
अमित
उर्फ
मोनू
सुमित
अंश
लकी
अशोक
सत्येन्द्र
देवमणि
शिवमणि
शिवशंकर
शुभम्
शिवा
रवीन्द्र
प्रभात
सौरभ
शीवम्
नैतिक
अरविन्द
गोविन्द
अनिल
आशीष
आदित्य
पंकज
कौशल उर्फ बबलू
शशांक
गोलू
आयुष
पियुश

(44) ठा. राम आसरे सिंह वंशावली की श्रृंखला

ठा. राम आसरे सिंह का परिवार जिसने मनसा तिवारी को डमरुआ गाँव में बसाया :

बाबू राम आसरे सिंह (1815)
एवं
जगरानी देव

- अनन्त सिंह
  - वंश नारायण
- भगवन्त सिंह
  - वंश गोपाल
    - हरिगोविन्द सिंह
      - राम जियावन सिंह
        - जगन्नाथ
          - प्रेम कुमार
            - संदीप
            - शशांक
        - त्रिलोकी नाथ उर्फ नन्हकू
          - अशोक उर्फ गुल्लू
            - रंजीत
            - संजीत
          - प्रमोद उर्फ छोटई
            - पंकज
            - आशीष
          - विनोद
            - आशुतोष
          - विनय
          - मनोज
            - नवीन
        - निर्मय नारायण
          - विजय
            - हिमांशु
        - भूपेन्द नाथ उर्फ जंगल
          - अरविन्द
            - तुषार
          - अतीन्द्र
            - आलोक
            - गौरव
        - सुरेन्द्र नाथ उर्फ निठुई
        - वीरेन्द्र
          - विवेक
            - किशलय
- हनुमंत सिंह
  - विन्देसरी

संकलन एवं संपादनकर्ता :

डॉ. राजकिशोर तिवारी

पूर्व प्राचार्य

अम्बाह पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज,

अम्बाह (म.प्र.)

मो.: 9826627365